तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 24 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार, 10 जुलाई , 2025

15 अछोली में शराब दुकान के विरोध में उमड़ा जन सैलाब, किया प्रदर्शन

कोरबा के बाद भिलाई में रद्द हो सकती है पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

कोरबा के बाद दुर्ग जिले के भिलाई में सिविक सेंटर के पास स्थित जयंती स्टेडियम में 30 जुलाई से आयोजित होने वाली पंडित प्रदीप मिश्रा सिहोर वालों की कथा रद्द हो सकती है। पुलिस प्रशासन ने एसडीएम को 15 बिंदुओं में कारण बताते हुए अनुमति नहीं देने का बात कही है। भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी और भिलाई नगर थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने 27 जून को एसडीएम भिलाई नगर को इस संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा है कि बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति भिलाई के द्वारा भिलाई के जयंती स्टेडियम में 30 जुलाई से 5 अगस्त 2025 तक महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। समिति के सचिव अभिजीत विश्वास ने आयोजन की अनुमति के लिए आवेदन दिया है। इनके द्वारा 29 जुलाई को कलश यात्रा का आयोजन किया गया है। इस कथा में लाखों भक्तों के आने की संभावना है। बारिश के मौसम को देखते हुए कथा स्थल में अव्यवस्था हो सकती है। इसलिए 15 बिंदुओं में समस्या खड़ी हो सकती है। इसे देखते हुए आयोजन की अनुमति देना उचित नहीं लग रहा है।

पुलिस प्रशासन ने खड़े किए हाथ, एसडीएम को 15 बिंदुओं में भेजी समस्या

इन 15 कारणों को बताया आधार

1- कार्यक्रम में लगभग एक से डेढ़ लाख भक्तों के आने का अनुमान है। इस दौरान यदि किसी की तबीयत खराब होती है तो सही आपात कालीन व्यवस्था नहीं हो पाती है।

2- कार्यक्रम में इतनी भीड़ होती है कि आयोजक द्वारा लगाए जाने वाले पंडाल कम पड़ जाते हैं और भक्तों को खुले में बैठना पड़ जाता है। ऐसे में यदि अचानक तेज बारिश हुई तो भगदड़ होने की संभावना है।

3- जहां आयोजन हो रहा है वहां काफी जंगल झाड़ी है। बारिश को मौसम में सांप बिच्छु, बरसाती कीड़े व जीव जंतुओं के पंडाल में घुसने से भगदड़ हो सकती है।

4- डोम व पंडाल का स्ट्रक्चर और बेरीकेटिंग लोहे व एल्युमिनियम के स्ट्रक्चर से बनाए जाते हैं। इससे इसमें करंट आने से भगदड़ की आशंका है।

5- कार्यक्रम स्थल के पास में ही सिविक सेंटर का बैंक परिसर है। यहां कई बैंकों की शाखाएं संचालित हैं। अधिक भीड़ होने से लोग अपने आवश्यक कार्य के लिए बैंक तक नहीं पहुंच पाएंगे। बैंक की गाड़ियां और कैश वैन भी नहीं जा पाएंगी। इससे बैंक का काम प्रभावित होगा।

6- बरसात के चलते जमीन गीली व कीचड़ युक्त हो जाएगी। इससे यहां हैवी वेट वाला डोम स्ट्रक्चर भी सही से खड़ा नहीं हो पाएगा। इसके गिरने से दुर्घटना की आशंका हो सकती है।

7- माह जुलाई और अगस्त में सावन के तीज त्यौहार अधिक होने के कारण लोगों का आवागमन अधिक होता है। ऐसे में लाखों की भीड़ी आने से उन लोगों को भी परेशानी होगी।

8- आयोजन स्थल के आसपास लगने वाली मार्केट, बैंक, एलआईसी भवन, डाक घर आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

9- आयोजन स्थल में पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से जल भराव की समस्या हो सकती है।

10- आयोजन स्थल खुला हुआ है। ऐसे में मौसम में यदि आंधी तूफान आने की स्थिति निर्मित हुई तो डोम के उड़न या गिर सकता है। ऐसा हुआ तो जान माल का नुकसान होगा।

11- कार्यक्रम स्थल के चारों तरफ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है। इससे आयोजन स्थल के पास अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधिक गतिविधियां घट सकती हैं।

12- जो सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं वो केवल डोम और उसके आसपास ही लगने हैं, जबकि भक्त काफी दूर-दूर तक बैठते हैं। इस तरह पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा ना होने से अपराध घटना की आशंका बढ़ सकती है।

13- कार्यक्रम स्थल के पास पर्याप्त संख्या में चलित शौचालय नहीं होने से वहां गंदगी फैलने की आशंका बनी रहेगी।

14- कार्यक्रम स्थल के आसपास पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से भक्त अपने वाहनों को सड़क किनारे कहीं भी खड़ा करेंगे। इससे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होगी।

15- सावन मास होने के चलते सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ होती है। इस भीड़ की व्यवस्था को बनाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगता है। ऐसे में कार्यक्रम स्थल में एक समय पर समुचित पुलिस व्यवस्था दे पाना कठिन होगा।

सीएसपी ने की अनुमति नहीं दिए जाने की अनुशंसा

भिलाई नगर सीएसपी ने भिलाई नगर एसडीएम को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के साथ साथ बरसात का मौसम होने, आयोजन स्थल की अनुपयुक्तता और अधिक भीड़ होने की संभावना को देखते हुए आयोजन की अनुमति नहीं दिए जाने की अनुशंसा की है।

नहीं रद्द होगा आयोजन

आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन की अनुमति मिल जाएगी। इसके लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है।

- दया सिंह
अध्यक्ष, बोलबम सेव एवं कल्याण समिति भिलाई

एक जून से अब तक 300.9 मिलीमीटर हो चुकी है बारिश , शिवनाथ 8 फीट ज्यादा ऊफान पर

पानी-पानी हुआ शहर, घर और सड़कें जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग जिले में मूसलाधार बारिश ने ट्विनिसटी के हर क्षेत्र को पानी ही पानी कर दिया। इस बारिश ने पिछले साल का रिकार्ड ही तोड़ दिया है। एक जून से अभी तक 300.9 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल 9 जून 2024 तक 289.6 मिमी की औसत बारिश हुई थी। इस तरह इस बार 4 मिलीमीटर औसत बारिश ज्यादा हो चुकी है। दोपहर से बारिश थमी थी लेकिन शाम होते ही और शुरू हो गई। इस बारिश से दुर्ग ,भिलाई , रिसाली, भिलाई चरोदा निगम क्षेत्र की श्रमिक बस्तियों और टाउनशिप एरिया सहित 250 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। घरों से पानी निकालने पूरे दिन लोग मशक्कत करते रहे। वहीं शिवनाथ नदी किनारें के 30 गांवों में पानी पहुंच गया है। इन गावों की सबसे ज्यादा सब्जी फसल चौपट हो गई है जो पानी में डूब गई है। शिवनाथ का पानी लगातार ऊफान पर है। जिससे महमरा एनीकट पर 8 फीट पानी बह रहा है। इस मार्ग से आवाजाही बंद हो गई है।

एक दिन में ही 136.12 मिमी वर्षा

कोसानाला, प्रियदर्शनी परिसर, सुपेला थाना, सब्जी मंडी में भरा पानी

कोसानाला में करीब 100 घरों में घुटने तक पानी भर गया। प्रियदर्शनी परिसर की कई दुकानों में पानी भर गया है। सुपेला थाना परिसर सहित कई क्षेत्रों में पानी ही पानी नजर आ रहा है। टाउनशिप एरिया में सेक्टर 6, सेक्टर 2 सड़क 15 में 10 घरों में पानी घुटने तक भरा रहा। सेक्टर-7 ट्यूबलर शेड क्वार्टरों में तीन फीट पानी भर गया जिसकी वजह से बेडरूम, रसोई के सामान खराब हो गए। प्रभावित लोगों ने टुल्लू पंप लगाकर पानी बाहर निकाला। बैकुंठधाम, छावनी, कैंप इलाके में हर गली मोहल्ले में पानी भरने की आम समस्या रही। वार्ड 33 संतोषी पारा शर्मा कॉलोनी और विवेकानंद नगर से लेकर गौरव पथ तक पानी भरा रहा। कैप दो दुर्गापारा, वार्ड 41 खुर्सीपार की गलियों में घुटने तक पानी भरा रहा।

2 लाख की आबादी पेयजल के लिए तरसी

शिवनाथ इंटकवेल में बाढ़ की वजह से जलकुंभी बड़े पैमाने पर जमा हो गई है। जलकुंभी इंटकवेल की मशीनों में फंस गई है। जिसकी वजह से भिलाई, दुर्ग, रिसाली निगम क्षेत्र की करीब 2 लाख आबादी पेयजल के लिए तरस गई है। एक तरफ शहर के चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है वहीं दूसरी तरफ भरी बारिश में लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। इंटकवेल की सफाई के लिए दुर्ग निगम का अमला जुटा रहा लेकिन उसके बाद भी बुधवार की शाम पेयजल नहीं आया। भिलाई निगम प्रशासन ने बताया है कि शिवनाथ इंटकवेल में जलकुंभी आने के कारण हर घंटे सायफन चोक हो रहा है, जिसके कारण पानी पंपिंग नहीं हो पा रहा है। जिससे जलशोधन संयंत्र से पानी टंकी में सप्लाई प्रभावित है ।

टाउनशिप की जलकुंभी जुनवानी नाले में जमा सफाई करने वर्टिकल गार्डन तोड़ा

टाउनशिप इलाके के बीचोंबीच वेस्ट वाटर की सबसे बड़ी निकासी नाले का पानी जुनवानी एमजे कॉलेज के सामने स्थित नाले से होकर आगे गुजरता है। भारी बारिश से टाउनशिप से जलकुंभी इस नाले में जमा हो गई। हजारों क्विंटल जलकुंभी को निकालने के लिए निगम को दो जेसीबी से वर्टिकल गार्डन को तोड़ना पड़ा। वर्टिकल गार्डन इस नाले के ऊपर बने पुल पर लगाया गया था। करीब पांच घंटे तक लोगों की आवाजाही इस पुल से बंद कर दी गई। लोगों को फरीदनगर पांच किलोमीटर घूमकर आना-जाना पड़ा।

दुर्ग में 16 बस्तियों के घरों में पहुंचा पानी

दुर्ग निगम क्षेत्र के अंतर्गत 16 से ज्यादा बस्तियों में पानी ने कहर दिखाया। यहां लोगों के घरों में पानी घुस गया। लोगों के खाने-पीने की चीजें और बिस्तर तक पानी में भींग गए हैं। कांदबरी नगर, हरिनगर, शक्तिनगर, आशानगर, आदित्यनगर, रायपुर नाका क्षेत्र, उत्कल नगर, बांधा तालाब, गयानगर, उरला, पुलगांव, पोटिया, बोरसी, केलाबाड़ी आदि इलाकों में पानी की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

30 गावों में सब्जी फसल तबाही की तरफ

नदी किनारे बसे करीब 30 गांवों में सब्जी की फसल तबाह सी हो गई है। सब्जी बाड़ियों में इतना पानी भर गया है कि सब्जियों की नर्सरी डूबी हुई है। डोमा, पथरिया, सगनी, आलबरस, जंजगिरी, बोड़ेगांव, नगपुरा, ढ़ाबा, झोला, सिलोदा, महमरा, रूदा, खांडा, मोथली, पीपरछेड़ी, बेलोदी, मालूद,पीसेगांव, चिखली, भटगांव,चंगोरी, डांडेसरा, सिल्ली, पथरिया आदि गांवों की सब्जी फसलें पानी में डूब गई हैं।

ये शर्मनाक

रिसाली निगम में ये वार्ड रहे प्रभावित

बारिश ने रिसाली निगम क्षेत्र के दर्जनभर वार्डों में पानी इंटरनेशनल कॉलोनी तालपुरी, मैत्रीनगर, रिसाली बस्ती, नेवई, मरोदा स्लम क्षेत्र, व्हीआईपी नगर, प्रगतिनगर, शक्ति विहार, सरस्वती कुंज अवधपुरी, डुंडेरा आदि क्षेत्रों के घरों तक पानी भरने लगा। जल भराव वाले वार्डो को देख महापौर शशि सिन्हा ने पूरे क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेने एमआईसी की बैठक बुलाई।

पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ की कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग पुलिस ने तंबाकू युक्त हुक्का का सेवन करने वालों के खिलाफ लंबे समय बाद कार्रवाई की है। पुलिस ने इस पर कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि डेली निड्स की दुकान पर अवैध रूप से तम्बाखू युक्त

- पान दुकान, डेली निड्स की दुकान में दबिश

हुक्का का सेवन कराए जाने की शिकायत मिली थी। उन्होंने मोहन नगर थाने की पुलिस को स्टेशन रोड दुर्ग स्थित उस डेली नीड्स की दुकान में भेजा। पुलिस ने दुकान में छापा मारा। दुकान संचालक सिंधी कालोनी दुर्ग निवासी रोहित जसवानी को गिरफ्तार कर जब दुकान की तलाशी ली गई तो वहां से अवैध रूप से सिगरेट, हुक्का और उसमें उपयोग की जाने वाली तंबाकू व अन्य सामाग्री जब्त की गई। पुलिस ने यहां से इलेक्ट्रानिक सिगरेट, हुक्का पार्ट सहित करीब 3 लाख 52 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। इसके साथ ही गुलेरी पान दुकान सिविक सेंटर के संचालक मैत्रीकुंज रिसाली निवासी अंकित उपाध्याय को गिरफ्तार किया गया है। अंकित पान ठेला में आने वाले ग्राहकों को चोरी छुपे हुक्का पिलाता था। हुक्का पीने का सामान अलग अलग फ्लेवर का हुक्का पॉर्ट भी बेचता है। तलाशी लेने पर पान दुकान से हुक्का पीने का सामान कई फ्लेवर अबजल कंपनी की नशीली तंबाखू 25 पैकेट जब्त किया है।

इनके खिलाफ भी कार्रवाई

इसके साथ ही पुलिस ने नेहरू नगर स्थित प्यूमेल डेली निड्स का संचालक नेहरू नगर निवासी हरीश तलरेजा, वंश पान पैलेस का संचालक माडल टाउन स्मृतिनगर निवासी कैलाश धनकुटे, कैलाश डेली नीड्स का संचालक कोहका सुपेला निवासी कैलाश बिसाई, लक्की चंदानी, कादम्बरी नगर, दुर्ग लक्ष्मीकांत दुबे जुनवानी, स्मृतिनगर व्दारा अपनी दुकान के माध्यम से चोरी-छिपे लोगों को तम्बाखू युक्त हुक्का का सेवन कराया जाना पाया गया। वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाने पर आरोपियों के कब्जे से हुक्का की सामग्री जब्त की गई।

पुलिस आरक्षक ने डायल 112 के चालक को पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पुलिस आरक्षक ने डायल 112 के वाहन चालक के साथ जमकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना में चालक के शरीर में काफी चोटें आई है। उसका

- घायल का उपचार सेक्टर-9 अस्पताल में हो रहा

उपचार सेक्टर 9 अस्पताल में बीते 3 दिनों से जारी है। आरक्षक बबलू मिश्रा पर चालक मनीष ठाकुर ने पिटाई का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के मुताबिक डायल 112 के वाहन चालक रिसाली निवासी मनीष ठाकुर बैच 1385 के साथ पुलिस आरक्षक बबलू मिश्रा ने 7 जुलाई की रात जबरन पिटाई करने का आरोप लगाया है। घटना सिविक सेंटर स्थित अपेक्स बैंक के सामने की है। चालक मनीष के मुताबिक आरक्षक बबलू मिश्रा उसकी पत्नी, बेटा के साथ मिलकर बिना कारण से मारपीट कर दिए। उसकी पत्नी ने फंसाने की भी धमकी दी है। चालक मनीष ठाकुर किसी तरह परिजनों को सूचना दी।

घटना के बाद से मनीष के गले में इंफेक्शन भी हो गया है। आरक्षक बबलू मिश्रा भी मनीष के डायल 112 में ही चलते हैं। घटना को लेकर आरक्षक बबलू मिश्रा ने बताया कि दोनों का विवाद हुआ है। दोनों एक दूसरे के साथ मारपीट किए है। मनीष को घर के अंदर आने से मना किया था। जबरन घर में घुसा इसे लेकर विवाद हुआ है। पत्नी और मेरे को भी चोट आई है।

अस्पताल में तोड़ा दम | डुंडेरा मोरिद मार्ग पर मिला था युवक अधमरा

लूटपाट का विरोध करने पर युवक की कर दी थी हत्या, 5 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

डूण्डेरा मोरिद रोड पर हुए युवक के हत्या के मामले में पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। घटना

- उतई थाना अंतर्गत डुंडेरा-मोरीद सड़क मार्ग की घटना

का खुलासा करते हुए एएसपी ग्रामीण अभिषेक झा ने बताया कि जा 3 जुलाई की रात को जंजगिरी निवासी राजकुमार यादव का धारदार नुकीले हथियार से सिर, सीने समेत शरीर के विभिन्न अंगो में गंभीर चोट आने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां बयान के बाद युवक ने दम तोड़ दिया था। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि मोरिद से डुण्डेरा जाने वाले मार्ग पर एक व्यक्ति पैदल आ रहा था। तभी स्कार्पियों वाले युवकों ने उसको लूटने का प्रयास किया था। मृतक राज कुमार यादव ने मौत से पहले बयान में स्कार्पियों वाहन में सवार युवकों की जानकारी दी थी। पुलिस ने 150 सीसीटीवी कैमरों का फूटेज और 1500 मोबाईल नंबरों का परीक्षण कर आरोपियों को पकड़ा। रामनगर कुम्हारी निवासी लोकेश सारथी से पूछताछ में पता चला कि राज किशोर उर्फ छोटू, आकाश उर्फ हड्डी देवार, महाराजा देवार, चंद्रामा चौक खुर्सीपार उमेश टण्डन स्कार्पियों वाहन से मोरिद आ रहे थे। तभी राज कुमार स्कूटी में अकेला मोरिद सड़क पर दिखा। राज कुमार मोबाइल से बात कर रहा था। तभी महाराजा देवार, आकाश उर्फ हड्डी गाड़ी ने वाहन से उतरकर मृतक का मोबाईल लूटने का प्रयास किया। जिसे लेकर मृतक विरोध करने लगा, आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई किया।

आरोपी महाराजा देवार पेचकश से मृतक के सीने पर वार किया। आकाश अपने पास रखे चाकू से मृतक के पैर व पेट स्थलों पर वार किया। उसके बाद आरोपियों ने राजकुमार को अधमरा छोड़कर मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने मृतक का मोबाइल नगदी रकम अपने पास रखे थे।

आरोपियों ने तैयार की थी गैंग बनाने हिस्ट्रीशीट

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने अपना गैंग हिस्ट्रीशीट तैयार कर ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध को अंजाम दिया करते थे। मोरिद में हत्या करने के बाद आरोपियों ने धौराभाठा मोड के पास एक हाइवा चालक को चाकू दिखाकर पर्स, मोबाईल लूटपाट कर भागे थे। घटना को अंजाम देने के लिए ही अपना गैंग हिस्ट्रीशीट बनाकर रखे हुए थे। आरोपी लोकेश सारथी, महाराजा देवार, राजकिशोर, आकाश उर्फ हड्डी का पूर्व अपराधिक रिकार्ड है। पुलिस आरोपी राज किशोर वैष्णव उर्फ छोटू स्कार्पियों, लोकेश सारथी, निखिल ठाकुर उर्फ विक्की चौधरी की संपत्ति को जब्त किया जाएगा। घटना का मॉस्टर माइंड महाराजा देवार फरार है।

हरिभूमि
पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

गुरुर्ब्रम्हा गुरूर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरा।
गुरूः साक्षात् परब्रम्हा तस्मै श्री गुरवे नमः।।

"शांति का पढ़ाया पाठ, अज्ञानता का मिटाया अंधकार,
गुरु ने सिखाया हमें नफ़रत पर विजय है प्यार।"

हिन्दू धर्म में गुरु की महत्ता

गुरु उस चमकते हुए चंद्र के समान होता है, जो अंधेरे में रोशनी देकर हमारा पथ-प्रदर्शन करता है। आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है।

हमारे जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है और समाज में भी गुरु का स्थान सर्वोपरि है। भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार संस्कृत में 'गु' का अर्थ होता है अंधकार/अज्ञान एवं 'रु' का अर्थ होता है प्रकाश/ज्ञान। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं। अतः गुरु को महत्व देने के लिए ही महान गुरु वेद व्यास जी की जयंती पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

इसी दिन भगवान शिव द्वारा अपने शिष्यों को ज्ञान दिया गया था। इस दिन कई महान गुरुओं का जन्म भी हुआ था और बहुतो को ज्ञान की प्राप्ति भी हुई थी। इसी दिन गौतम बुद्ध ने धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। गुरु पूर्णिमा पर्व को हिन्दू ही नहीं बल्कि जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लोग भी मनाते हैं। गुरु की महत्ता को महत्व देते हुए प्राचीन धर्मग्रंथों में भी गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान बताया है। माता और पिता अपने बच्चो को संस्कार देते हैं, पर गुरु सभी को अपने बच्चों के समान मानकर ज्ञान देते हैं।

मनुस्मृति के अनुसार उपनयन संस्कार के बाद विद्यार्थी का दूसरा जन्म होता है। इसीलिए उसे द्विज कहा जाता है। शिक्षा पूर्ण होने तक गायत्री उसकी माता तथा आचार्य उसका पिता होता है। पूर्ण शिक्षा के बाद वह गुरुपद प्राप्त कर लेता है।

गुरु पूर्णिमा से संबंधित पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अंश स्वरूप कलावतार हैं। उनके पिता का नाम ऋषि पराशर तथा माता का नाम सत्यवती था। उन्हें बाल्यकाल से ही अध्यात्म में अधिक रुचि थी।

अतः उन्होंने अपने माता-पिता से प्रभु दर्शन की इच्छा प्रकट की और वन में जाकर तपस्या करने की आज्ञा मांगी, लेकिन माता सत्यवती ने वेदव्यास की इच्छा को ठुकरा दिया। तब वेदव्यास के हठ पर माता ने वन जाने की आज्ञा दे दी और कहा कि जब घर का स्मरण आए तो लौट आना। इसके बाद वेदव्यास तपस्या हेतु वन चले गए और वन में जाकर उन्होंने कठिन तपस्या की।

इस तपस्या के पुण्य-प्रताप से वेदव्यास को संस्कृत भाषा में प्रवीणता हासिल हुई। तत्पश्चात उन्होंने चारों वेदों का विस्तार किया और महाभारत, अठारह महापुराणों सहित ब्रह्मसूत्र की रचना की। वेदव्यास को हम कृष्णद्वैपायन के नाम से भी जानते है। अतः हिन्दू धर्म में वेदव्यास को भगवान के रूप में पूजा जाता है। इस दिन वेदव्यास का जन्म होने के कारण इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। महर्षि वेदव्यास को अमरता का वरदान प्राप्त है। अतः आज भी महर्षि वेदव्यास किसी न किसी रूप में हमारे बीच उपस्थित हैं।

गुरु के अभाव में हमारा जीवन शून्य होता है। गुरु अपने शिष्यों से कोई स्वार्थ नहीं रखते हैं, उनका उद्देश्य सभी का कल्याण ही होता है। गुरु को उस दिन अपने कार्यों पर गर्व होता है, जिस दिन उसका शिष्य एक बड़े पद पर पहुंच जाता है। एक व्यक्ति गुरु का ऋण सभी नहीं चुका पाते है। गुरु और शिक्षकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। एक विद्यार्थी के जीवन में गुरु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। गुरु के ज्ञान और संस्कार के आधार पर ही उसका शिष्य ज्ञानी बनता है। गुरु मंद बुद्धि शिष्य को भी एक योग्य व्यक्ति बना देते हैं। संस्कार और शिक्षा जीवन का मूल स्वभाव होता है। इनसे वंचित रहने वाला व्यक्ति बुद्दू होता है। गुरु के ज्ञान का कोई तोल नहीं होता है।

इस दिन हमारे गुरु और शिक्षक की आराधना करते हैं और उन्हें भेंट देकर उनका आदर करते हैं। इस दिन पाठशाला, स्कूल, कॉलेज, आश्रम और गुरुकुलों में शिक्षकों और गुरुओं के सम्मान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तथा गुरुओं के सम्मान में गीत, भाषण, कविताएं, नृत्य और नाटक किए जाते हैं। इस तरह गुरु पूर्णिमा के दिन विद्यार्थी अपने गुरु के सम्मान में अनेक गतिविधियां आयोजित करते हैं।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हुई चर्चा

कुम्हारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जीवनदीप समिति की साधारण सभा की बैठक मंगलवार 8 जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में आमजन की स्वाथ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने एवं बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

निधन

नानक भगवान दास आहूजा

राजनांदगांव। आईबी ग्रुप के चीफ फाइनेंस ऑफिसर मनोज आहूजा के पिता नानक भगवान दास

आहूजा उम्र 86 वर्ष का बुधवार सुबह बैंगलुरु के निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 जुलाई को शाम चार बजे उनके निवास स्थान 13/5 नेहरू नगर पश्चिम से सुपेला भिलाई स्थित रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे हरेश आहूजा के पिता, डॉ. प्रेम आहूजा के भाई थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जिनेंद्र पाटनी

दुर्ग। जैन गली दुर्ग निवासी जिनेंद्र

पाटनी 63 वर्ष का निधन 9 जुलाई को हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया वे स्व. गुलाबचंद पाटनी के पुत्र, इंदर चंद्र, चंद्रेश पाटनी के भाई थे।

भारतीबेन चौहान

भिलाई। किशोरभाई हरिराम भाई चौहान की पत्नी भारतीबेन उम्र 54

वर्ष ग्राम सिनुगरा का 9 जुलाई को अपरान्ह 3 बजे हृदयाघात से निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार 10 जुलाई को सुबह 9:30 बजे निवास स्थान प्लॉट क्रमांक 9 ब्लॉक बी रो हाउस साहू छात्रावास के पास रामनगर धनोरा, बोरसी रोड से रिसाली मुक्तिधाम भिलाई के लिए निकलेगी।

हजारों की संख्या में किसानों, युवाओं, महिलाओं ने सड़क पर किया आंदोलन

अछोली में शराब दुकान के विरोध में उमड़ा जनसैलाब, किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭| धमधा

किसान बंधु संगठन के द्वारा धमधा के बस स्टैंड में हजारों की संख्या में किसानों ने महिलाओं ने एवं युवाओं ने सरकार के नीतियों को खिलाफ और सरकार के फरमान को लेकर बुधवार को धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन का विशाल स्वरूप देख इसे नियंत्रित करने प्रशासनिक अमले को भी पसीने छूट गए। लगातार बरसात के बावजूद बड़ी संख्या में धरना स्थल लोग पहुंचे।

किसान मुख्य रूप से अछोली में खुल रही शराब दुकान को पूर्ण रूप से रद्द करने की मांग कर रहे हैं। किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने बताया कि धमधा ब्लॉक का हृदय स्थल माने जाने वाले ठेलका चौक के समीप लगे ग्राम अछोली में नई शराब दुकान के लिए सरकार ने निविदा जारी की है। ग्रामीणों का कहना है कि इसके चलते आसपास के 20 से 25 गांव के युवा नशे की गिरफ्त में आ जाएंगे। उनका भविष्य अंधकार मय हो जाएगा, साथ ही ग्रामीण इलाकों के किसान परिवार बर्बादी के कगार पर खड़े हो जाएंगे। श्री चंदेल ने आरोप लगाया कि खाद की जमाखोरी करवा कर सरकार व्यापारियों को लाभ पहुंचा रही है।

किसानों को खाद की आपूर्ति नहीं हो रही, ठेलका सब स्टेशन में अव्यवस्था

खाद सोसायटी में नहीं दुकानों में मिल रहा है, इससे किसान परेशान है और बिजली व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमराई हुई है। जिसके चलते ग्रामीण इलाके के पूरे किसान जवान महिलाएं सड़क पर धरना देने के लिए उतारू है। इस मौके पर मुख्य रूप से आत्मा साहू अध्यक्ष किसान बंधु संगठन, ढालू वर्मा अध्यक्ष लोधी समाज धमधा सर्किल, डॉक्टर जोहन वर्मा पूर्व जनपद सदस्य, निकेश्वर चंदेल, लिकेश्वरी चंदेल सरपंच हीरेतरा,रति वर्मा सरपंच ठेलका, ढालेश्वरी वर्मा सरपंच खैरझिटी, नैनबाई डांडेकर सरपंच अछोली, देवेंद्र चंदेल पूर्व सरपंच, मोती वर्मा पूर्व सरपंच, सतीश सिन्हा पूर्व सरपंच, मनमोहन चंदेल, मोजी डांडेकर,चितरंजन अग्रवाल, यशवंत चंदेल, भुनेश्वर नेताम, जय प्रकाश विश्वकर्मा, दादू शर्मा, भवानी सिन्हा, गिरधर वर्मा, पोषण वर्मा, परमेश्वर साहू, राजेंद्र वर्मा, जीरजोधन वर्मा, धनेश्वर वर्मा, तामेश्वर चंदेल सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पिथलेश साहू ने किया।

सरकार ने किया किसानों के साथ छलावा और सिर्फ धोखा: गुप्ता

कार्यक्रम में पहुंचे प्रगतिशील किसान संगठन के संयोजक राजकुमार गुप्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार ने केवल किसानों से छल किया है और महतारी वंदन के नाम पर पैसा देकर किसान परिवार को ठगा है। आज किसानो की हालत खराब है सोसायटी में खाद नहीं ,बेवजह राखड़ देना,बिजली की पर्याप्त व्यवस्था नहीं और ऊपर से मोदी जी की महंगाई की गारंटी ने आम किसानों की कमर तोड़ दी है।

शराब दुकान रद्द नहीं की तो होगी भूख हड़ताल

किसान बंधु संगठन के अध्यक्ष आत्मा साहू ने बताया कि सरकार अपना फरमान अगर वापस नहीं लेती है और इस धरने का सरकार के फैसले पर कोई असर नहीं होता है तो भूख हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अपनी जान दे सकते है लेकिन शराब ढुकान खोलने नहीं देंगे।

शहर की समस्याओं को लेकर युकां ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

शहर में विकास कार्यों की सुस्त गति, अव्यवस्थाओं की बढ़ती भरमार और आम नागरिकों को लगातार हो रही परेशानियों को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है।

शहर के कई वार्डों में अतिक्रमण की समस्याएंस सफाई व्यवस्था की बदहाली, बढ़ती नशा खोरी, स्ट्रीट लाइट बंद, जल जमाव, सड़क मरम्मत जैसे मुद्दे गंभीर रूप से उभरकर सामने आए हैं। नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इन्हीं जनमुद्दों के 16 बिंदु को लेकर दुर्ग कांग्रेस द्वारा कलेक्टर अभिजीत सिंह से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें शहर की जनता की समस्याओं एवं उनकी अपेक्षाओं को प्रशासन के संज्ञान में लाया गया। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के अनुसार यह पहल दुर्ग शहर की जनता की आवाज़ को सशक्त रूप से उठाने और उनके हितों की रक्षा करने के विश्वास के साथ ही किया गया। उनका मानना है कि शहर के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे लेकर अब गंभीर और प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता है।

■ मूलभूत समस्याओं के लिए जूझना पड़ रहा

ज्ञापन के माध्यम से शासन-प्रशासन को यह संदेश देने का प्रयास किया कि दुर्ग शहर की जनता सजग है और उनकी समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालों में युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव संदीप वोरा, एनी पीटर, दुर्ग शहर युवा कॉंग्रेस महासचिव मोहित वालदे, राजकुमार पाली, अजय मिश्रा, आंनद कपूर ताम्रकार, शिशिर कांत कसार, वरुण केवलतानी, बंटी नारंग, देवेंद्र मारकंडे, अंकुर बोरकर, पृथ्वी चंद्राकर, राहुल गोस्वामी, चिंटू देवांगन सहित अन्य युवा कांग्रेस मौजूद थे।

बाढ़ नियंत्रण के लिए निगम की टीम का गठन, 24 घंटे अमला रहेगा तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये निगम अधिकारियो एवं कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपा है। आयुक्त ने उक्त नियंत्रण कार्य के लिये दो शिफ्ट में ड्यूटी लगाई है और निगम का अमला

■ कंट्रोल रूम में रहेंगे अधिकारी-कर्मचारी

अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये 24 घंटे रोकथाम के उपाय, पानी भराव को रोकने सहित प्रभावितों के आवास की व्यवस्था का कार्य करेगा। आयुक्त श्री अग्रवाल ने बताया कि शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये दिनेश नेताम, कार्यपालन अभियंता गोवाईल नम्बर 9993321120 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को 24 घण्टे मोबाईल चालू रखने की हिदायत दी है। सफाई जोन प्रभारी अपने प्रभार क्षेत्र के सफाई कर्मचारी सहित दोनों पाली में तैनात रहेंगे। स्वास्थ्य अधिकारी धमेन्द्र मिश्रा बाढ़ की स्थिति में वैकल्पिक स्थान में ठहराने एवं भोजन की व्यवस्था करेंगे, कार्यपालन अभियंता आरके जैन लाइट, बांस-बल्ली एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था। अनिल सिंहए प्र उद्यान निरीक्षक आवश्यकता होने पर वाहन व्यवस्था के लिए कर्मशाला अधीक्षक सोएब अहमद करेंगे। उन्होंने बताया कि बाढ़ पीड़ितों के भवनों एवं शासकीय भवनों को सुरक्षित रखा जा रहा है तथा प्रत्येक शिफ्ट अधिकारी को टार्च, रस्सी, गैती, फावड़ा एवं अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था रखने के निर्देश दिये गये है।

सुबह 8 से रात 8 तक इनकी रहेगी ड्यूटी : बता दें कि सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक कंट्रोल रूम प्रभारी करण यादव मो.नं. 9770946930, हरिशंकर साहू 7773007174, अपर्णा मिश्रा 9074225253, पंकज साहू 9691030600, प्रेरणा दुबे 9630541539, उमयंती ठाकुर 8103967854, विनोद मांझी 9589081099 रहेंगे।

रात 8 से सुबह 8 तक ये रहेंगे तैनात: वहीं रात 8 से सुबह 8 बजे तक कंट्रोल रूम प्रभारी सुरेश केवलानी 9425675465, राजेंद्र ढबाले 7999828273, व्हीपी मिश्रा 7987641410, संजय ठाकुर 9340401946, मोहित मरकाम 9685373777, गिरीश दीवान 7746015450, विकास दमाहे 6263493218 रहेंगे।

इंटकवेल में कचरा निकालने जुटी एनडीआरएफ की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭| दुर्ग

लगातार हो रही बारिश और मोगरा बैराज से छोड़े गए पानी के चलते शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अभिजीत

■ जलकुंभी बनी जल आपूर्ति में बाधक

सिंह ने शिवनाथ नदी किनारे स्थित 24 व 42 एमएलडी इंटकवेल का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान पुलगांव नाले से बहकर आ रही जलकुंभी, झिल्ली व पन्नी इंटकवेल में गहराई तक फंस गई है, जिससे पाइपलाइनें जाम हो रही हैं और जल आपूर्ति बाधित हो रही है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर एनडीआरएफ की गोताखोर टीम को तैनात किया गया, जो इंटकवेल में उतरकर गहराई तक सफाई कार्य कर रही है। इसके बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह और महापौर अल्का बाघमार ने पुलगांव बस्ती, महावीर कॉलोनी और खंडेलवाल कॉलोनी जैसे बाढ़ प्रभावित इलाकों का भी निरीक्षण किया और प्रभावित नागरिकों से चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर ने शिवनाथ नदी सहित बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का किया दौरा

जलकुंभी बन रही गंभीर समस्या

शहर में बीते चार दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण शिवनाथ नदी और पुलगांव नाला उफान पर हैं, जिससे नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इंटकवेल में जलकुंभी और कचरा हर वर्ष वर्षा ऋतु में गंभीर समस्या बन जाता है, जिससे निपटने के लिए इस बार विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई जिसमें महापौर, निगम आयुक्त, जलगृह प्रभारी सहित सिंचाई विभाग व नगर निगम के अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार कर अमल में लाने के निर्देश दिए।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल,

पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अहिवारावासियों को नई सौगात, नगर में खुला पेट्रोल पम्प

नंदिनी अहिवारा। अहिवारा नगर में खुला पहला पेट्रोल पम्प जिसके खुलने से नगर के नागरिकों में खुशी देखने को मिली। आम नागरिकों का कहना है अहिवारा नगर का ये पहला पेट्रोल पम्प है, ये पेट्रोल पम्प आसपास के इलाक़े के वासियो को राहत देगा। इस पेट्रोल पम्प के संचालक युवा उद्यमी प्रथम बाफना का कहना है कि इस जगह का चयन क्षेत्र की जनता का

समस्या का समाधान के लिए किया गया है और समय के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी का ईंधन जिओ बीपी पेट्रोलियम की क्वालिटी पूरे देश में अलग पहचान है। इस मौके पर यतिप्रवर स्वामी इन्दुभावनन्द तीर्थ जी महराज, पूर्व प्रांत संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बिसरा राम यादव, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व कृषि मंत्री रवीन्द्र चौबे, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी, पूर्व योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, कोको पाढ़ी, संदीप वोरा, विद्यानंद कुशवाहा अध्यक्ष नगर पालिका अहिवारा, एमएल पांडेय, डीपी तिवारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रविशंकर सिंह, नरेन्द्र यादव, शोभा नाहटा, नटवर ताम्रकार, तुषार चोपड़ा, दिलीप इसरानी, अहिवारा क्षेत्र के समस्त वरिष्ठ नागरिक ओनी महिलांग, झुमुक साहू, सुजीत बघेल व आसपास गांव के सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जेके लक्ष्मी संयंत्र के अधिकारी व ट्रांसपोर्ट जगत से छग सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय शुक्ला, अचल भाटिया, इंद्रजीत सिंह (छोटू), मलकीत सिंह, अंकित बांगुर, आकाश गिलानी, तरुण अब्बी, अहिवारा व्यापारी संघ सहित जिओ बीपी पेट्रोलियम के स्टेट हेड अजय सिंह, हरकवाल सिंह, अबुल अरशन, संतोष नायक, पूरे जिओ परिवार उपस्थित थे।

बिजली की अव्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭|पाटन

अमलेश्वर : वार्ड 08, दुर्गा नगर के रहवासियों ने क्षेत्र में खराब बिजली व्यवस्था, टूटे तारों और पोलों की कमी जैसी समस्याओं को लेकर छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के सहायक अभियंता राहुल सिंह को एक लिखित आवेदन सौंपा है। इस आवेदन में नागरिकों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराज़गी जताई है और शीघ्र सुधार की माँग की है। नागरिकों ने चेताया कि समाधान नहीं हुआ तो होगा विरोध ओमप्रकाश साहू उपाध्यक्ष, डोमन यादव पार्षद वार्ड 8,गिरधर साहू पार्षद प्रतिनिधि वार्ड 9,किशोर जंघेल,आशा राम,आजू वर्मा,रोशन, कपिल,संदीप एवं समस्त नगर वासी भी उपस्थित रहे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि समस्याएँ बनी हुई है, आमजन की परेशानी को अफसर समझते नहीं है। फोन करने पर जवाब नहीं मिलता है. बिजली गुल हो जाने पर कॉलोनीवासी जब विभागीय कार्यालय में संपर्क करते हैं, तो फोन नहीं उठाते।

■ विभागीय लापरवाही को लेकर सौंपा आवेदन

टूटे हुए तार, बढ़ता खतरा

कॉलोनी क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के पोलों के तार टूटे हुए हैं, जो ना सिर्फ बिजली आपूर्ति बाधित कर रहे हैं, बल्कि बड़ी दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। बावजूद इसके विभाग ने अब तक कोई सुधार कार्य शुरू नहीं किया है। कॉलोनीवासियों ने लंबे समय पहले ही बिजली पोल लगाए जाने के लिए आवेदन किया था, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अंधेरे और असुरक्षित वातावरण में लोग जीने को मजबूर हैं। वार्ड वासियों की माँगें बिजली विभाग कॉल सेंटर की जवाबदेही तय की जाए। टूटे तारों की तुरंत मरम्मत करवाई जाए। जहाँ पोल की आवश्यकता है, वहाँ शीघ्र पोल लगाएं।

पाटन से टोलाघाट के लिए 28 को निकलेगी भव्य कांवर यात्रा

सेलूद। बोल बम कांवर यात्रा समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा की उपस्थिति में हुई बैठक में सावन के पवित्र माह में आगामी 28 जुलाई को कांवड़ यात्रा को लेकर योजना बनी। इस दौरान पिछली बैठक की समीक्षा कर इस वर्ष यात्रा को और भव्य बनाने पर जोर दिया गया। समिति के सदस्यों को विभिन्न दायित्व व जिम्मेदारी प्रदान की गई। बोल बम कांवर यात्रा समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने कहा कि इस वर्ष कांवर यात्रा 28 जुलाई को 'सर्वे भवंतु सुखिनः एवं जल संरक्षण' के पावन उद्देश्य को लेकर निकाली जाएगी। टोलाघाट में रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया जाएगा। गांव–गांव में तैयारी को लेकर बैठक करने के लिए प्रभारी बनाए है। एक मुट्ठी दान भगवान शंकर के नाम से एकत्र चांवल से महाप्रसादी बनेगा। जिसे भक्तों को प्रसाद के रुप में वितरित किया जाएगा। टोलाघाट में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगायिका पायल साहु लोककला मंच ननकट्ठी की भक्तिमय एवं अनुपम प्रस्तुति का भव्य आयोजन भी रखा गया हैं।

भिलाई विद्यालय में पौधारोपण और शपथ ग्रहण समारोह, ईको क्लब का हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭|भिलाई

सेक्टर-2 स्थित भिलाई विद्यालय में स्काउट्स-गाइड्स, ईको क्लब और एनसीसी के तत्वावधान में पौधरोपण और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक एबी श्रीनिवास तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक डॉ. एनके जैन थे। अतिथियों द्वारा वृक्ष पूजन, पौधारोपण और रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा निभाई गई। शाला नायक रूद्र सिंह राजपूत व शाला नायिका सोनम देवांगन ने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। संगीत शिक्षक सतीश मिश्रा और शैलेन्द्र भोई ने स्वागत गीत गाया। स्काउट्स-गाइड्स रिया, ख्वाहिश, श्रेया एवं श्रुति ने पर्यावरण पर विचार तथा कविता प्रस्तुत की। डां. जैन ने पर्यावरण की शपथ दिलाई और निशि शिवप्पा ने ईको क्लब की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक अपर्णा चंद्रा, वरिष्ठ प्रबंधक मृदुल गुप्ता तथा भारत स्काउट गाइड जिला संघ की कीर्तिलता देशमुख, सत्यनारायण साहू और शीतल चंद्र शर्मा उपस्थि थे।

पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

ईको क्लब प्रभारी निशी शिवप्पा के मार्गदर्शन में गठित ईको क्लब के नव नियुक्त पदाधिकारियों को अतिथियों द्वारा ईको बैज अलंकरण कर सम्मानित किया गया। दिव्या अध्यक्ष, अंजली उपाध्यक्ष, भूमिका सचिव तथा सुमन को सहसचिव नियुक्त किया गया । मुख्य अतिथि ने पर्यावरण जागरुकता का आह्वान करते हुए कहा कि कागज निर्माण के लिए अत्यधिक मात्रा में पेड़ों की कटाई और जल की आवश्यकता होती है, जिसे डिजिटल माध्यमों के उपयोग से कम किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन सुनीता अनिल और धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य विजय सिंह पवार ने दिया।

SHRI SHANKARACHARYA PROFESSIONAL UNIVERSITY
Opposite SSIMS, NH-06, Junwani, Bhilai (CG), Phone:- 0788 4088810 / 4088888

Ph.D. Admission Notification 2025
(Regular & *Part-time mode)

Applications are invited for the admission in Ph.D. program. The subjects are as follows:-

Subjects Available

Physics, Chemistry, Mathematics, Life Science (Botany, Zoology, Biotechnology, Microbiology), English, Hindi, Management, Commerce, Pharmacy, Journalism & Mass Comm., Sociology, *Engineering and *Computer Application#

Fee Details

Fee for the Application Form: Rs 1500/-
Last Date for Application:30 days from the date of this advertisement
For more details, visit: www.shrishankaracharyauniversity.com
Mobile No.: 94254 – 68386, 99772 – 58200 (for Pharmacy), 94252 – 11714, 62320 – 10136 (for other Subjects)

Mode of Payment

The Payment of Rs 1500/- can be made in cash to be deposited in our bank account through challan or the same can be deposited in our account by DD favouring Shri Shankaracharya Professional University payable at Bhilai or the same can be remitted online in our bank account as per the details given below.

Bank Name: Bank of Maharashtra
Account No.: 60365276614, (IFSC Code: MAHB0001322)
Account Name: Shri Shankaracharya Professional University, Bhilai

Please ensure to share the screenshot of the transaction details over email id: accounts@shrishankaracharyauniversity.com, with a copy to research.sspu@gmail.com and also to fill the entrance examination application form in your own handwriting and submit the hard copy of the same to the University office positively, without which no candidature will be considered.

Note:-
1) In case of unavailability of candidates of reserved categories, candidates from general categories will be considered.
2) Reservation policy and relaxations will be as per UGC norms.
3) UGC Regulation 2022 and University Ordinance No. 81 will be followed.
*Subject to statutory approval / availability of Supervisor
#No. of vacant seats may vary as per availability of Supervisor

Registrar, SSPU, Bhilai

खबर संक्षेप

एसएसपी ने 8 निरीक्षक और 3 उनि और दो सउनि का तबादला किया

भिलाई। जिले के 13 पुलिस कर्मियों का तबादला एसएसपी विजय अग्रवाल ने किया है। जिसमें 8 निरीक्षक ,3 उप निरीक्षक, 2 सहायक उप निरीक्षक का ट्रांसफर हुआ है। जिसमें थाना नेवई से खुर्सीपार निरीक्षक आनंद शुक्ला, जेवरा से सिरसा निरीक्षक प्रकाशकांत, पुलगांव से ट्रैफिक निरीक्षक पुष्पेन्द्र भठ्ठ, नंदिनी से ट्रैफिक निरीक्षक मनीष शर्मा, ट्रैफिक से कुम्हारी निरीक्षक पीडी चद्रा, कुम्हारी से ट्रैफिक जनकराम कुर्रे, सायबर सेल से दुर्ग कोतवाली निरीक्षक तापेश्वर नेताम. खुर्सीपार से पुलिस लाइन दुर्ग वंदिता पानीकर, अमलेश्वर से नेवई उनि कमल सिंह सेंगर, अंजोरा से जेवरा प्रभारी खगेन्द्र पठारे, लिटिया सेमरिया से अंजोरा प्रभारी सउनि संतोष साहू, अंडा से चौकी प्रभारी लिटिया धनेंद्र पाण्डेय और मोहन नगर से नंदिनी प्रभारी उनि पारसनाथ ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई है।

आफिस के ड्रॉज से 84 हजार पार

भिलाई। आफिस का ताला तोड़कर सामान पार करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज किया किया है। पुलगांव पुलिस ने बताया कि ऋषि अग्रवाल अल्ट्राटेक सिमेंट कंपनी मे सी एण्ड एफ एजेंट में काम करता है। जिसका शाखा ग्राम खपरी मे भी है। खपरी के डिपो कर्मी चंद्रभान साहू,मिथलेश पटेल रोज का काम कर लेबर का पेमेंट कर बचत रकम 84 हजार 400 रूपये को आफिस के ड्राज मे रखकर आफिस बंद कर निकल गया। 7 जुलाई को सबह स्टाफ डिपो आफिस पहुंचा तो ससारा सामान बिखरा पड़ा मिला। ड्राज में रखे रुपए भी गायब मिले, आफिस के पीछले हिस्से में दूसरा आफिस संचालित है।

अंतर विद्यालयीन भारोत्तोलन स्पर्धा का आयोजन

सेलूद। स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय (सेजस) घुघुवा (क) में विकासखंड स्तरीय अंतर विद्यालयीन भारोत्तोलन प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिसमें पाटन विकासखंड के अलग-अलग विद्यालयों से बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों के साथ संबंधित विद्यालय के व्यायाम शिक्षक भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जनपद सदस्य व सभापति प्रणव शर्मा ने स्पर्धा की शुरुआत की। अध्यक्षता सरपंच श्रीमती शैलेंद्री साहू ने की। विशेष अतिथि सेजस घुघुवा क विद्यायल के एसएमडीसी अध्यक्ष थानेश्वर साहू, पालक समिति अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, रवि साहू आदि मौजूद रहे।

शासन की एडवाइजरी: नैनो डीएपी किसानों के लिए ठोस डीएपी उर्वरक का स्मार्ट विकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को रासायनिक उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। खरीफ 2025 के दौरान डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) की कमी को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने इसके व्यवहारिक विकल्प के रूप में नैनो डीएपी के भंडारण एवं वितरण की विशेष व्यवस्था की है। इसके साथ ही एनपीके और एसएसपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों का भी लक्ष्य से अधिक मात्रा में भंडारण कराया गया है। खेती में ठोस डीएपी उर्वरक की कमी को पूरा करने के लिए किसानों को उसके विकल्प के अनुरूप कृषि वैज्ञानिकों के सुझाव के अनुरूप नैनो डीएपी अथवा एनपीके और सिंगल सुपर फास्फेट खाद की मात्रा का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। नैनो डीएपी एक आधुनिक, किफायती और प्रभावशाली तरल उर्वरक है, जो पारंपरिक डीएपी की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी और पोषक तत्वों से भरपूर है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के वैज्ञानिकों ने नैनो डीएपी का समर्थन करते हुए कहा है कि इसके उपयोग से खेती की लागत में कमी आती है। नैनो डीएपी खेत में पोषण की कमी को प्रभावी ढंग से पूरा करता है और उत्पादन की गुणवत्ता को भी बढ़ाता है। नैनो डीएपी पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है। एक एकड़ धान की फसल के लिए एक बोरी ठोस डीएपी का उपयोग होता है। जिसकी लागत 1350 रुपए होती है, जबकि एक एकड़ में 25 किलो ठोस डीएपी और 500 मिली नैनो डीएपी के मिश्रण का उपयोग किया जाए तो इसकी लागत घटकर 1275 रुपए आती है।

डीएपी की कमी को देखते हुए किया गया भंडारण, किसानों को वितरण की तैयारी

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताए फायदे

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने एक एकड़ धान की खेती के लिए नैनो डीएपी की उपयोग की विधि की विस्तार से जानकारी दी है। इसके अनुसार नैनो डीएपी की मात्र साढ़े 600 मिली मात्रा एक एकड़ धान की खेती में लगती है। धान की बुआई से पहले एक एकड़ के लिए 30 किलो बीज को 150 मिली नैनो डीएपी को तीन लीटर पानी में घोलकर उसमें बीज उपचारित कर आधा घंटा छाव में सुखाने के बाद बुआई की जाती है। रोपा के समय 50 लीटर पानी में 250 मिली नैनो डीएपी को मिलाकर उसमें थरहा की जड़ों को आधा घंटा डूबाकर रखने के बाद रोपाई तथा फसल बोआई के तीस दिन बाद 125 लीटर पानी में 250 मिली नैनो डीएपी को घोलकर खड़ी फसल पर इसका छिड़काव करना होता है। इससे फसलों को पोषक तत्व मिल जाते है।

डीएपी के मुकाबले लागत कम, फायदा ज्यादा

नैनो डीएपी फसलों को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व प्रदान करने के लिए बेहतर विकल्प है। यह पारंपरिक डीएपी के मुकाबले लागत कम और प्रभाव अधिक है। पारंपरिक डीएपी की एक बोरी की कीमत लगभग 1350 रुपए होती है, वहीं नैनो डीएपी की एक बोतल से कई एकड़ भूमि को लाभ पहुंचाया जा सकता है। यह स्प्रे के माध्यम से सीधे पौधों पर छिड़का जाता है, जिससे पोषक तत्वों का त्वरित अवशोषण होता है। राज्य शासन द्वारा किसानों को डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में नैनो डीएपी सहित वैकल्पिक उर्वरकों का पर्याप्त भण्डारण समितियों में किया जा रहा है। किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। कृषि विभाग ने किसानों से नैनो डीएपी तथा एनपीके, एसएसपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग करने की अपील की है।

बारिश में भीगते हुए यूनियनों ने की लेबर कोड व निजीकरण पर रोक की मांग

बीएसपी में हड़ताल का आंशिक असर जनविरोधी नीतियों का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

केंद्र सरकार की जन और उद्योग विरोधी नीतियों और सार्वजनिक उपक्रमों तथा सरकारी विभागों के निजीकरण के खिलाफ बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का भिलाई इस्पात संयंत्र में आंशिक असर रहा । केंद्रीय यूनियनों व स्वतंत्र फेडरेशनों के आह्वान पर 7 श्रमिक संगठनों यानी संयुक्त यूनियन के बैनर तले किया गया आंदोलन शांतिपूर्ण रहा। बीएसपी के दो गेटों पर यूनियन नेताओं ने मूसलाधार बारिश के बीच सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी कर ड्यूटी जाने वाले कर्मियों को हड़ताल में शामिल होने की अपील की और सरकार से सभी मांगों को पूर्ण करने पर जोर दिया। यूनियनों ने अपनी बात सरकार व सेल प्रबंधन तक पहुंचाने में कर्मियों का व्यापक समर्थन मिलने का दावा किया है वहीं बीएसपी प्रबंधन ने प्लांट में उत्पादन व कामकाज सामान्य बताया। वहीं दल्लीराजहरा माइंस मे 80 प्रतिशत हड़ताल सफल होने का दावा सीटू, इंटक व एटक ने किया है।

सरकार की नई श्रम संहिताओं और निजीकरण व महंगाई के खिलाफत सहित 25 सूत्रीय मांगों को लेकर केंद्रीय यूनियनों की अपील पर इंटक, सीटू, एटक, एचएमएस, एक्टू,लोइमू, स्टील वर्कर्स यूनियनों द्वारा द्वारा बीएसपी में हड़ताल का निर्णय लिया था। संयुक्त यूनियन द्वारा यहां हड़ताल को सफल बनाने के लिए हफ्तेभर से बीएसपी कर्मियों व ठेका मजदूरों को एकजुट कर तमाम तैयारी में जुटी थीं। लेकिन पिछली 28 अक्टूबर की हड़ताल की तरह मुद्दे सेलव्यापी होने की बजाए अभी राष्ट्रीय होने और भारी वर्षा के चलते बीएसपी में हड़ताल को आंशिक सफलता ही मिल सकी।

संयुक्त यूनियन के नेता बीएसपी के मेन गेट के निकट मुर्गा चौक और बोरिया गेट पर सुबह 8 से शाम 6.30 बजे तक पंडाल में झंडे लहराते हुए बीएसपी ड्यूटी जाने वाले कर्मियों से पर्चे बांटकर हड़ताल में शामिल होने का आह्वान करते रहे। लेकिन अधिकतर कर्मचारियों में दिलचस्पी नहीं दिखी।

इससे उत्पादन प्रभावित होने की प्रबंधन की मुश्किलें आसान हो गईं। दोनों गेटों पर संयुक्त यूनियन के नेताओं ने सरकार और सेल प्रबंधन के खिलाफ आर्थिक व उद्योग नीति को लेकर जमकर नारेबाजी की और लेबर कोड सहित तमाम जनविरोधी नीतियों को वापस नहीं लेने पर आंदोलन तेज करने की चेतावानी दी। इंटक के जीएस वंशबहादुर सिंह, एस रवि, शिवशंकर सिंह, गिरीराज देशमुख,सीटू के जीएस जगन्नाथ त्रिवेदी,डीवीएस रेड्डी एसपी डे, वेंकट,एटक के जीएस विनोद कुमार सोनी विनय मिश्रा, एचएमएस के जीएस पीके मिश्रा, अध्यक्ष हरिप्रसाद यादव, एक्टू के बृजेंद्र तिवारी, श्यामलाल साहू शनि साहूस्टील वर्कर्स यूनियन जीएस नंदकिशोर गुप्ता, संजय गुप्ता,टंडन दास, लोईमू के जीएस सुरेंद्र मोहंती व देवेंद्र सैनी, स्टील ठेका श्रमिक यूनियन के जीएस संजय साहू,आल इंडिया यूथ फेडरेशन के शर्मा, शमीम कुरैशी व प्रवीण कुमार, राज मिस्त्रीयूनियन के जीएस सुखरंजन नंदी सहित संयुक्त यूनियन के गिरी राव, राजुकमार, आरपी शर्मा आदि पदाधिकारियों सहित गुर्गा चौक पर नारेबाजी करते हुए डटे रहे।

संयुक्त यूनियन के वीबी सिंह, श्री रेड्डी व वीके सोनी ने बताया कि बीएसपी में हड़ताल को कर्मियों का व्यापक समर्थन मिलने से केंद्र सरकार पर श्रमिक व उद्योगविरोधी नीतियों को वापस लेने और सेल वेतन समझौता जल्द पूर्ण करने व एरियर्स भुगतान के लिए सेल प्रबंधन पर भी दबाव बढ़ेगा।

सुबह 4 बजे से फर्स्ट शिफ्ट व अधिकारियों को बुला लिया था ड्यूटी

अलसुबह से अफसरों ने प्लांट व इस्पात भवन में संभाला मोर्चा

पिछले साल की सफल हड़ताल को देखते हुए बीएसपी प्रबंधन ने उत्पादन बरकरार रखने और शांति व्यवस्था के लिए चौतरफा तैयारी की थी। इसके तहत फर्स्ट व जनरल शिफ्ट के कर्मियों को सुबह ही ड्यूटी बुलवा लिया गया था और नाइट कर्मियों को भी प्लांट में रोक लिया गया था। इस्पात भवन सहित वर्क्स यानी प्लांट व नान वर्क्स के अधिकारियों को भी सुबह 4 बजे जवाबदारी दे गई थी। सभी के लिए नाश्ता, पोहा व पुलाव आदि की व्यवस्था की गई थी। जीएम सीजीएम लेबल के अधिकारी इस्पात भवन के साथ प्लांट मे घूम, घूमकर स्थिति पर नजर रखे हुए थे। वहीं सभी गेटों व संवेदशील प्वाइंटों पर सीएसआईएफ, एसएएफ व भट्ठी थाना टीआई व कोतवाली थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा सहित भारी पुलिस जवान तैनात थे। आईआर व एलआईबी सक्रिय थी व वीडियोग्राफी की जा रही थी। हड़ताल को लेकर प्रबंधन न उत्पादन व उपस्थिति सामान्य रहने का दावा किया।

यह हैं प्रमुख मांगें

4 श्रम संहिताओं को रद्द व सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा सरकारी विभागों का निजीकरण बंद करने, सेल और आरआईएनएल की किसी भी इकाई में कोई विनिवेश या निजीकरण और स्थाई प्रकृति के कार्य को आउटसोर्स नहीं करने, लंबित सेल वेतन समझौता जल्द पूर्ण करने एवं एरियर्स का जल्द भुगतान किया जाए ,हायर पेंशन स्कीम लागू किया जाए, असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को मिनिमम 26 हजार रुपए वेतन दिया जाए ,पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए, बोनस पात्रता पर सभी सीमाएं समाप्त की जाएं एवं ग्रेच्युटी सीलिंग समाप्त किया जाए ,आवेदन जमा करने के 45 दिनों के भीतर ट्रेड यूनियन का अनिवार्य रूप से पंजीकरण किया जाए, मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण किया जाए, खाद्य पदार्थ दवाओ कृषि उपकरणों और मशीनरी पर जीएसटी हटाया जाए, बिजली संशोधन विधेयक 2022 को वापस लिया जाए, काम के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया जाए, अमीरों पर कॉरपोरेट कर बढ़ाएं वसंविधान पर हमला रोका जाए ।

से. 1 चौक में ठेका मजदूरों को स्टील ठेका श्रमिक यूनियन ने किया एकजुट

केंद्रीय ट्रेड यूनियन के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहतस्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक द्वारा मुर्गा चौक में

ठेका श्रमिकों द्वारा हड़ताल व प्रदर्शन किया गया । बीएसपी के ठेका श्रमिकों ने भारी बारिश के बाद भी हड़ताल में शामिल होकर प्रदर्शन किया। नया श्रम कानून को रद्द करने एवं श्रमिकों के कार्य करने का समय 8 घंटा ही रखने।ठेका श्रमिकों को बीएसपी के एस-1 का वेतन दिया जाए या 26 हजार रुपया वेतन प्रतिमाह निर्धारण किया जाए। एवं केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन को बीएसपी में लागू किया जाए।, ठेकाश्रमिकों को 5% आवास भत्ता दिया जाए या बीएसपी के खाली आवास को आवंटित किया जाए।ठेका श्रमिकों को संयंत्र में दो गेटों से आवाजाही और मोटरसाइकिल जाने की भी अनुमति मिले, 10 लाख का दुर्घटना बीमा किया जाए और सही उपस्थिति दर्ज व सीपीएफ डालने के लिए बायोमेट्रिक से उपस्थित दर्ज किया जाए। रात्रि भत्ता प्रदान किया जाए एवं साइकिल भत्ता, कैंटीन भत्ता एवं हिट एवं डस्ट अलाउंस दिया जाए।,ठेका श्रमिकों को वेतन पर्ची,लीव कार्ड एवं अंतिम भुगतान और छुट्टी की राशि दी जाए। हड़ताल व प्रदर्शन में सीपी वर्मा, दीनानाथ सिंहसार्वा, आर दिनेश, मनोहर लाल सुरेश, श्याम कुंवर, गुरुदेव साहू, जसबीर सिंह, रिखी राम साहू, संतोष ठाकुर, सुरेश दास टंडन, कान्हा आदि कार्यकारिणी और प्रतिनिधि सदस्य व मजदूर उपस्थित थे।

महापौर व आयुक्त ने किया जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

संपूर्ण क्षेत्र में मानसूनी प्रभाव एवं प्रकृति का कहर रूपी अतिवृष्टि के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हुई है। सुरक्षागत कारणों से महापौर नीरज पाल, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, महापौर परिषद् सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी एवं निगम टीम सुबह 7.30 बजे से दोपहर तक विभिन्न क्षेत्रों में दौरा किए। दीक्षित कॉलोनी स्थित कोसानाला, साकेत नगर कोहका, इंदु आईटी स्कूल के सामने नाला, कोसानाला के समीप बने पीएम आवास, कोसानगर गौठान, जुनवानी रोड स्थित एम जे कॉलेज आदि स्थलों का बड़ा नाला सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किए। नाला पुल में बहकर आए जलकुम्भी, लकड़ी एवं अन्य अपशिष्टो को हटाने का कार्य करवाये। दीक्षित कॉलोनी स्थित कोसानाला की सफाई एवं एम.जे. कॉलेज के समीप नाला में फंसे जलकुम्भी की सफाई महापौर, सभापति, प्रभारी सदस्य सहित पार्षदगण अपने समक्ष 3-4 घंटे तक खड़े रहकर कराये। जल भराव के निपटान हेतु 3 जेसीबी, 3 डम्फर एवं ट्रैक्टर के द्वारा सुबह से दोपहर तक फंसे जलकुम्भी एवं अन्य अपशिष्टों को हटाने का कार्य निगम के सफाई कर्मियों द्वारा लगातार किया गया है। प्राकृतिक आपदा से निपटने हेतु निगम के सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह से शाम तक लगे रहे।

- नालों में फंसे जलकुंभी हटवाया

चंद्रा मौर्या अंडर ब्रिज का अवलोकन किया गया सुरक्षा के दृष्टि से बेरिकेटिंग किया गया है। जल निकासी हेतु सम्पवेल में पंप लगातार संचालित है। शहर के अन्य स्थल पर जल भराव जैसी स्थिति निर्मित हुई है, जिसका तत्काल समाधान कराया गया है। निगम आयुक्त के द्वारा निरंतर तीन पाली में सुपरवाइजर एवं सफाई कर्मचारी तैनात रखने एवं निगरानी हेतु स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान सभापति गिरवर बंटी साहु, पार्षद महेश वर्मा, संतोष मौर्या, जोन आयुक्त अजय राजपूत, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थिति रहे।

ठाकरे परिवार की क्षेत्रियता पर रोक की मांग

भिलाई । छग भोजपुरी परिषद ने बुधवार को प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में महाराष्ट्र में ठाकरे परिवार द्वारा भाषा को हथियार बनाकर बाहरी लोगों के खिलाफ क्षेत्रीयता को बढ़ावा देने पर रोक लगाने की मांग की है। परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा ने ज्ञापन मे बताया कि इसके खिलाफ आज सभी जाति व धर्म के लोगों को आवाज उठाने की जरुरत है। जरुरी नही की देश के नेता ही आवाज उठाएं। भाषा को हथियार बनाकर देश के लोगों पर अत्याचार करना अपराध है। इस पर रोक लगाने की जरुरत है। प्रतिनिधि मंडल में श्री बैठा सहित परिषद के कानूनी सलाहकार गणेश शुक्ला, ओपी रजक, देव कुमार, किशन चौहरिया, रिकेश शर्मा, सुरेश निर्मलकर उपस्थित थे।

- छग भोजपुरी परिषद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

एलआईसी और बैंकों में लटके ताले, यूनियनों ने की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

केंद्रीय यूनियनों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के आह्वान पर आज भिलाई दुर्ग में एलआईसी और कुछ बैंकों के कर्मचारी भी हड़ताल पर रहे। इसके चलते एलआईसी और इन बैंकों में ताले लटके रहे। बीमा यूनियन व बैंकों की यूनियनों ने सिविक सेंटर में प्रदर्शन व नारेबाजी कर मांगों को पूर्ण करने पर जोर दिया। बीमा व यूकार्यालयों के बंद रहने से बीमा व ट्राजेक्शन के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सिविक सेंटर स्थित बैंक परिसर में हड़ताली कर्मचारियों की सभा जिसमें बैंक बीमा व अन्य ट्रेड यूनियन के सिविक सेंटर स्थित एलआईसी ऑफिस के पास सभी बैंक व बीमा कर्मचारी सुबह 10 बजे हुई सभा मेंकेंद्र सरकार के नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । अध्यक्षता आरडीआईईयू भिलाई 1 इकाई की अध्यक्ष पद्मजा घोष ने किया।

सचिव प्रमोद नायर ने सभा को संबोधित किया हड़ताल की मांगों से अवगत कराया व यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरीकॉम सतीश कुकरेजा, बैंक आफ इंडिया यूनियन के अध्यक्ष दीपांकर, सी जेडआईईए की उपाध्यक्ष उषा परगनिया, सह सचिव अखिलेश शर्मा, ताज व विजय बहादुर ने सरकार की नीतियों को आड़े हाथ लेते हुए श्रम कानून को बदलने व कार्य दिवस कम करने का विरोध किया। हड़ताली सभा में बैंक ऑफ़ इंडिया, केनरा बैंक, बैंक ऑफ़ बरोदा, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, यूनियन बैंक, यूको बैंक के सभी कर्मचारी शामिल हुए। सभा के अंत में जमकर नारेबाजी की गई।

उत्तर वसुंधरा नगर में जल जमाव से लोग परेशान

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा के भिलाई-3 के वार्ड 18, उत्तर वसुंधरा नगर में गैस एजेंसी के पीछे गौरव पथ से लगी हुई कॉलोनी में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कॉलोनी में नाली और सड़क की व्यवस्था न होने से ऐसे हालात हर साल बरसात के मौसम में बन जाते हैं।

कॉलोनी के पोंगल गणेश पूजा मैदान के आसपास की स्ट्रीट्स में जल जमाव की समस्या ज्यादा है। आलमयह है कि हर स्ट्रीट में घुटने भर पानी भरा हुआ है। लोग अपने दोपहिया वाहन घरों

से नहीं निकाल पा रहे हैं। वहीं सब्जी वाले, दूध वाले नहीं पहुंच पा रहे हैं। नियमि कचरा संग्रहण करने वाली नगर निगम की गाड़ी भी नहीं पहुंच पा रही।लोगों के घरों में तीन दिन से घरेलू कचरा जमा हो गया है।इस कॉलोनी की किसी भी स्ट्रीट में नालियां और सड़क नहीं बनवाई गई हैं। कॉलोनी के ज्यादातर निवासी सीएसईबी और रेलवे से रिटायर्ड हैं और दस साल से वहां निवासरत हैं। निगम में नियमित संपत्ति कर जमा करते हैं, बावजूद सुविधा रत्ती भर नहीं दी जा रही है। मकान निर्माण सामग्री लेकर आने वाले ट्रकों से कच्ची सड़कें धंस गई हैं। जल जमाव की समस्या से नागरिकों ने वार्ड पार्षद अभिषेक वर्मा को अवगत कराया है। पार्षद ने जेसीबी बुलाकर जल निकासी की व्यवस्था करने का भरोसा दिलाया है। नागरिकों ने निगम प्रशासन से पूरे उत्तर वसुंधरा नगर की व्यवस्था दुरुस्त कर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

दो ज्वेलरी शॉप से नकली सोना देकर असली लेकर भागा, अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दो ज्वेलरी शॉप में नकली सोना देकर असली लेकर जाने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि रामनगर सुपेला निवासी पवन कुमार सोनी की सरकुलर मार्केट भिलाई में न्यू अभिषेक ज्वेलर्स के नाम से शॉप है।

- सर्कुलर मार्केट भिलाई की है घटना

7 जुलाई की शाम शॉप में एक व्यक्ति पहुंचा था। उसने सोने का टाप्स बताकर उसके बदले पीड़ित

के शॉप से सोने की अंगुठी पसंद कर 2.780 ग्राम लिया। जिसकी कीमत 29 हजार रुपए है। चांदी का सिक्का 5 ग्राम का 2 नग खरीदा जो हजार रुपए का था।

व्यक्ति राजेश पाठक द्वारा दिए गए उक्त सोने को चेक करने पर टाप्स नकली निकला। बिल भी व्यक्ति ने राजेश पाठक के नाम से ही बनाया था। व्यक्ति की उम्र करीब 65 वर्ष का होगा पेंट शर्ट पहना हुआ था। बाल उसके पके हुए थे। व्यक्ति द्वारा इसी तरह रायपुर, दुर्ग में भी ठगी करने की जानकारी मिली है।

व्यक्ति की सारी हरकत सीसी कैमरे में कैद है। वहीं दूसरी घटना पावर हाउस स्थित सहेली अलंकरण में हुआ है। जहां अज्ञात व्यक्ति सोने का टाप्स के बदले सोने की अंगुठी 31 हजार रूपये, 10 ग्राम चांदी का सिक्का 1205 रूपये का लेकर गया। अपना नाम व्यक्ति ने राजेश रामपाल पाठक बताया है। चेक करने पर उक्त सोने का टाप्स नकली निकला है। जिसकी शिकायत गंजपारा दुर्ग निवासी मनोज जैन ने किया है।

फेस लिफ्ट
• बोटाक्स
• फिलर
• थ्रेड लिफ्ट
• स्कीन पॉलिशिंग
• लेज़र फेशियल
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

हाथी पांव
पैर में सूजन (हाथी पांव)
जैनाईटल फाईलेरियेसिस (जननांगों में सूजन)
DR. NIRVED JAIN (PLASTIC SURGEON)
ब्लू वीनस प्लास्टिक सर्जरी
जीवन मेमोरियल हॉस्पिटल
7400558800

ओम हॉस्पिटल
आई सी यू विभाग
• जीरो इंफेक्शन युक्त आधुनिक 32 बेड आई.सी.यू
• अनुभवी एवं विशेषज्ञ गहन चिकित्सा टीम
• मेडिकल एवं सर्जिकल गहन चिकित्सा
• अत्याधुनिक मशीनों द्वारा देखभाल एवं ईलाज
• विशेष प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ
• रोड एक्सीडेंट्स, सभी प्रकार के ट्रामा एवं इमरजेंसी गहन चिकित्सा
• जहर, सर्पदंश इलेक्ट्रिक शॉक
• मस्तिष्क, गुर्दा रोग, फेफड़े लकवा एवं हड्डी संबंधित समस्याओ के लिए विशेष व्यवस्था
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, SSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में इलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एसएव रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
#Rajesh

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 9,100/-
सुनहरा अवसर
रायपुर, उसलापुर, राहटोल से होकर
स्पेशल ट्रेन
03 नवंबर से 09 नवंबर 2025 (7 दिन)
द्वारकाधीश धाम यात्रा
श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकाभेट, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)
ऑफर राशि स्लीपर 9,100/-, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 21,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36 Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road
संपर्क करें:-73544-11411

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

कीट-पतंगों की फिक्र

लाइव इवेंट

सेक्टर-9 हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर में स्वस्फूर्त ब्लड डोनेट

भिलाई। भारत विकास परिषद के 63 वें स्थापना दिवस पर महिला शाखा नारायणी इकाई द्वारा सेक्टर-9 हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूकता करने और सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। आयोजित कार्यक्रम में सेक्टर-9 हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर भी पहुंचे। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। इसी तारतम्य में 10 जुलाई को शासकीय महिला हायर सेकंडरी स्कूल रावण भाटा सुपेला में बालिकाओं की ह्यूमोग्लोबिन की जांच की जाएगी। आयोजित कार्यक्रम में उमा शारदा, मनिला गेरा, आरके शारदा, निरिजा गर्ग, रिता झा, वीएन पांडेय, उमा शारदा सहित अन्य मौजूद थे।

लाइव इवेंट

रानी अहिल्या बाई के जीवन से जुड़ी घटनाओं को कैनवास में उकेरा

भिलाई। पुण्यश्लोक रानी अहिल्या बाई के 300 वें जयंती पर पूरे भारतवर्ष में उत्सव मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डीएस विद्यार्थी ने इस निमित्त उनकी मनोहारी पेन्टिंग का निर्माण किया है। इसमें उनके जीवन से संबंधित मुख्य घटनाओं का विहंगम चित्रण किया गया है। चित्रकार डीएस विद्यार्थी समकालीन भारतीय कलाजगत में रियलिस्टिक आर्ट के एक सशक्त स्तम्भ हैं। उनकी कलाएं शोख-चटख रंग से परीपूर्ण होकर महान भारतीय चित्रकार राजा रवि वर्मा की याद दिलाती है। इस वरिष्ठ कलाकार ने अपनी कला में रानी अहिल्या बाई के विधवा हो जाने पर उनके राज्य में आक्रमण करने आने वाले राजाओं को लिखे खत में उनकी कूटनीतिक परिपक्वता का वर्णन किया है। वहीं उनके पुत्र के रथ से गाय के बछड़े की मौत पर उनको भी वैसी ही सजा दिए जाने का मार्मिक चित्रण है। उनके द्वारा बनाई गई नारी सेना के साथ ही अलाउद्दीन खिलजी द्वारा तोड़े गए भारतवर्ष के मंदिरों के जीर्णोद्धार का भी उन्होंने अपनी तूलिका से वर्णन किया है।

लाइव इवेंट

जल्द जारी होगी क्लैट-2026 की तारीख, पीजी की तीसरी सूची जारी

भिलाई। कॉमन लॉ एंट्रेंस टेस्ट पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम की काउंसिलिंग के तहत तीसरे राउंड का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। तीसरे राउंड में टॉप नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी हैदराबाद की क्लोजिंग रैंक 4873 रही। वहीं भोपाल 9531 रैंक पर क्लोज हुआ। कोलकता की तीसरे राउंड की क्लोजिंग रैंक 14599 रही। अभी कुछ एनएलयू की सीटें खाली चल रही है। छात्र 15 जुलाई तक रिक्त सीटों के लिए आवेदन कर सकते हैं। उधर, क्लैट 2026 के आयोजन की तारीख भी जल्द ही घोषित कर दी जाएगी। नोटिफिकेशन क्लैट की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज के अंडर ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए क्लैट का आयोजन किया जाता है। वहीं कुछ राज्यों के विधि विश्वविद्यालय भी इस परीक्षा के स्कोर के जरिए संस्थानों में दाखिला देते हैं। पीएसयू में भी क्लैट पीजी के स्कोर पर रिक्रूट किया जाता है। इस साल पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया क्लैट के स्कोर के आधार पर ही ग्रिड लॉ ऑफिसर की भर्ती करेगा। इसमें क्लैट पीजी के स्कोर को 85 प्रतिशत वेटेज दिया गया है। तीन प्रतिशत अंक ग्रुप डिस्कशन के होंगे और 12 फीसदी वेटेज पर्सनल इंटरव्यू का होगा। ट्रेनिंग के बाद उम्मीदवारों को ई-2 ग्रेड दी जाएगी। जिसका वेतनमान 50 हजार से एक लाख 60 हजार रुपए तक रहता है।

● पॉली हाउस से फॉर्मिंग : दुर्ग के 12 से ज्यादा गांवों में 50 एकड़ में इस पद्धति से की जा रही खेती

कश्मीर जैसे ठंडे प्रदेशों की फसलों की खेती अब दुर्ग में, डच रोज, जलबेरा जैसे फूल और सब्जियां उगा रहे हमारे किसान

दुर्ग जिले में पॉली हाउस में सब्जियों की खेती करने का चलन बढ़ने लगा है। इसका कारण पॉली हाउस में हर मौसम में खीरा ककड़ी, शिमला मिर्च, टमाटर आदि सब्जियों की फसल की खेती की जा रही है। इसके अलावा पॉली हाउस के जरिए जलबेरा, डच गुलाब जैसे फूलों की भी खेती की जा रही है। दुर्ग से लगे ग्राम थनौद, देवादा में जलबेरा के फूलों की खेती शुरू की गई है। खास बात यह है कि पॉली हाउस में कम क्षेत्रफल में खेती करने के बावजूद उत्पादन अधिक होता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

उद्यानिकी विभाग की मानें तो जिले में इस में 50 एकड़ से ज्यादा में पॉली हाउस खेती पद्धति के जरिए फसल ली जा रही है। कश्मीर और पहाड़ों के वातावरण को पॉली हाउस के जरिए जनरेट किया जा रहा है। इसके जरिए पूरे साल फसल ली जा रही है। धमधा के जातारवर्रा, खपरी, मलपुरी कला, खपरी, गिरहोला, दुर्ग के समोदा, कोटनी, थनौद, रिसामा, पाटन के अमलेश्वर, खुड़मुड़ी में पॉली हाउस के जरिए खेती की जा रही है।

किसानों ने बताया कि पॉली हाउस को तैयार करने में एक एकड़ में करीब 40 से 50 लाख रुपए तक का खर्च आता है, लेकिन इससे फसल की गुणवत्ता बढ़ती है। तापमान को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। विदेशों में होने वाली फसल को भी हम पॉली हाउस के जरिए तैयार कर सकते हैं। दुर्ग जिले में 50 एकड़ से ज्यादा में 40 से ज्यादा किसान इस समय पॉली हाउस के जरिए सब्जियों और फूलों की खेती कर रहे हैं। थनौद के किसान एसबी तिवारी ने बताया कि उन्होंने जलबेरा फूल की खेती शुरू की है। तापमान और ह्यूमिनिटी को मेंटेन कर पौधों को सुरक्षित रखा जा रहा है। पॉली हाउस में सरकारी मदद भी मिलती है। इसलिए अधिक परेशानी नहीं होती। वर्तमान में भी किसान पॉली हाउस लगाने के लिए लगातार उद्यान विभाग में आवेदन कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पॉली हाउस संबंधित फसल के अनुसार वातावरण तैयार करता है, इस कारण इनमें बिन मौसम के भी सब्जियों का उत्पादन किया जा सकता है, जबकि साधारण तरीके से की जाने वाली खेती में बिन मौसम की सब्जियों

का उत्पादन करना संभव नहीं है। पॉली हाउस लगाने के लिए करीब एक एकड़ जमीन की जरूरत होती है। इसे बनाने में करीब 42 लाख 24 हजार रुपए खर्च आता है। फिलहाल सरकार इस पर अनुदान भी दे रही है। साथ ही पॉली हाउस में लगाने के लिए बीज, खाद व दवाइयों के लिए भी सरकार द्वारा 2.50 लाख रुपए अनुदान दिया जाता है। कुछ पॉली हाउस में सब्जियों के साथ ही जरबेरा, कारनेशन, डचरोज आदि विदेशी फूलों की भी खेती की जा रही है।

पॉली हाउस से खेती में होने वाली फायदे को भी जानिए

साधारण खेती से पॉली हाउस में 4 गुना फायदा ज्यादा होता है। प्रोडक्शन तो बढ़ता है कि वहीं सब्सिडी और इंकमटैक्स में छूट से भी किसानों का आर्थिक लाभ बढ़ जाता है। कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन होता है। इसके लिए पौधों को जरुरत के हिसाब से तापमान, ह्यूमिनिटी भी उपलब्ध हो पाती है। अधिकारियों के अनुसार एक पॉलीहाउस में खीरा ककड़ी की फसल से साल में 12 से 15 लाख रुपए कमाए जा सकते हैं। इसकी बुआई साल में 3 बार की जाती है। पॉलीहाउस में एक बार फसल लगाने पर यह 4 साल चलता है। शिमला मिर्च की खेती से साल में 12 से 15 लाख तथा टमाटर से 12 से 15 लाख रुपए कमाए जा सकते हैं। पॉलीहाउस में अधिकतर सब्जियों में खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर, विदेशी फूलों में कारनेशन, डचरोज, जरबेरा की खेती की जाती है, क्योंकि इनकी बेल होती है, जिसे तार के सहारे स्टैंड बनाकर धागे से ऊपर चढ़ाया जाता है। कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन से भी फायदा है। हाउस में दूसरी सब्जियों जैसे गोभी आदि की खेती भी हो सकती है, लेकिन उनमें बेल नहीं होने से तय उत्पादन ही मिलने से फायदा कम है।

बढ़ रही पॉली हाउस की डिमांड, धमधा में सबसे ज्यादा उपयोग

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में पॉली हाउस की डिमांड पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ी है। सबसे ज्यादा धमधा के किसान इस पद्धति का उपयोग कर रहे हैं। उनके द्वारा फलों और फूल की खेती के लिए इस पद्धति का उपयोग किया जा रहा है। धमधा में 5 से ज्यादा गांवों में 10 से ज्यादा किसान पॉली हाउस का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक एकड़ से लेकर ढाई एकड़ तक पॉली हाउस तैयार कर खेती की जा रही है। पॉली हाउस के उपयोग से बारिश, गर्मी और ठंड के दिनों में पड़ने वाले पाला से पौधे और फसल को बचाया जा सकता है। ओपन खेती से मौसम का प्रभाव पड़ता है। मुख्य रूप से ठंडे प्रदेशों में होने वाली खेती के लिए पॉली हाउस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

एबीवीपी के स्थापना दिवस पर साइंस कॉलेज में रोपे पौधे, सहेजने लिया संकल्प

भिलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर बुधवार को साइंस कॉलेज परिसर में पौधे रोपे गए। साथ ही उन्हें सहेजने का संकल्प लिया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर छात्रों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की। कार्यक्रम के प्रारंभ में अभाविप महाविद्यालय अध्यक्ष गजानंद साहू ने बताया कि विद्यार्थी परिषद की स्थापना 9 जुलाई वर्ष 1949 में हुई। इस अवसर पर दुर्ग नगर में 15 जुलाई तक साप्ताहिक कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न विद्यालय एवं महाविद्यालयों में वृक्षारोपण, संगोष्ठी, स्वास्थ्य शिविर, खेल, प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता ऐसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। पूर्व विभाग छात्रा प्रमुख पायल राजपूत ने बताया कि स्वामी विवेकानंद का जीवन हमें न केवल

प्रेरणा देता है, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण में युवाओं की भूमिका को भी परिभाषित करता है। अतः हम सभी विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन और उनके विचारों से प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यकर्ता, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शालेय टेबल टेनिस स्पर्धा खिलाड़ियों ने बहाया पसीना, विजेता हुए पुरस्कृत

भिलाई। जिला शिक्षा विभाग द्वारा शंकरा विद्यालय सेक्टर-10 में शालेय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पर्धा तीन वर्गों में आयोजित की गई। अंडर 14, अंडर 17, अंडर-19 में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंडर 14 में अनुष्का पाल ने चांदनी शाह को 2-0 से हराया। इसी प्रकार अर्पिता दुबे ने हर्षिता को 2-1 से पराजित किया। चाहत बंछोर ने 2-0, अनुष्का पाल ने अर्पिता दुबे को 2-0 से हराया। अंडर 17 चंचल साहू ने स्नेहा कुर्रे को 2-0, प्राची श्रीवास्तव ने साक्षी ढीमर को 2-1, चंचल साहू ने प्राची श्रीवास्तव को 2-0, स्नेहा कुर्रे ने ममता वर्मा को 2-0, ज्योत्सना बासटीयन ने साक्षी ढीमर को 2-0 से पराजित किया। इसी प्रकार अंडर-19 में जाविका ठाकुर ने शारदा वर्मा को 2-0, जाविका ठाकुर ने लक्ष्मी निषाद को 2-0 से पराजित किया। अंडर 14 में खिलाड़ियों क्रम अनुष्का पाल, अर्पिता दुबे, चाहत बंछोर चांदनी शाह एवं हर्षिता दिल्लीवार रहा। इसी प्रकार अंडर 17 में चंचल साहू, प्राची श्रीवास्तव, ज्योत्सना बास्टियन, स्नेहा कुर्रे एवं साक्षी ढीमर, अंडर-19 में सूची वर्मा, हिमशिखा यादव, जाविका ठाकुर, लक्ष्मी निषाद एवं भारती सेन रही।

कार्नर न्यूज

सितंबर में विराजेंगी मां दुर्गा, बंगाली समाज ने की काठमो पूजा, सावन उत्सव को लेकर भी तैयार

बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा को लेकर की शुरुआत, 11 से सावन माह नवरात्र और गणेश पक्ष को लेकर थनौद में प्रतिमाएं हो रही तैयार

भिलाई। हिंदू पंचांग का पांचवां महीना सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह महीना भगवान शिव को समर्पित है। इसे शिव जी का प्रिय मास माना गया है। इस महीने में वर्षा, हरियाली और शिव भक्ति का अद्भुत योग बनता है। पौराणिक मान्यता है समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष ला था, तब भगवान शिव ने उसे पी था, लेकिन विष को अपने कंठ में रोक लिया था, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष के कारण शिव जी के शरीर में तेज जलन हो रही थी, जिसे शांत करने के लिए ऋषि-मुनियों और अन्य देवताओं ने शिव जी का ठंडे जल से अभिषेक किया था, जिससे शिव जी की जलन शांत हुई थी। इसी मान्यता की वजह से शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है। सावन में वर्षा ऋतु के कारण वातावरण में नमी और ठंडक रहती है, जो कि शिव जी को विशेष प्रिय है। इसके साथ ही भिलाई में बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है। मां दुर्गा की प्रतिमाएं तैयार की जा रही है। हिंदू धर्म में नवरात्र और गणेश पक्ष भी धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश पक्ष की शुरुआत जहां 27 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहीं नवरात्रि इस बार सितंबर माह में होनी है। इसे लेकर शिल्पग्राम थनौद में प्रतिमाओं को तैयार करना शुरू कर दिया गया है।

बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा को लेकर शुरू की तैयारी

बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य रूप से माता के स्वरूप को लेकर बैठकें हो रही हैं। शहर के प्रमुख कला मंदर और पूजा-अर्चना किए जाने वाले पंडालों में काठ पूजा की परंपरा का निर्वहन किया गया। काठ पूजा के दौरान लकड़ी के टुकड़े की पूजा की गई। बंगाली पंडितों द्वारा लकड़ी पर अक्षत-फूल अर्पित कर स्वास्तिक बनाया। मूर्तिकार पूजा स्थल से ये लकड़ी निर्माण स्थल तक लेकर पहुंचे और प्रतिमा बनाने की शुरुआत की। इस पूजा के साथ पंडाल के निर्माण की भी औपचारिक शुरुआत हो गई है। 22 सितंबर को देर रात 1.23 बजे से आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत होगी। वहीं 23 सितंबर को देर रात 2.55 बजे पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः सोमवार 22 सितंबर के दिन से शारदीय नवरात्र की शुरुआत होगी। वहीं 1 अक्टूबर को शारदीय नवरात्र की नवमी होगी। जबकि 2 अक्टूबर को दशहरा यानी विजयादशमी है। 22 सितंबर को घटस्थापना मुहूर्त सुबह 6.09 बजे से लेकर सुबह 8.06 बजे तक है।

सावन में कांवड़ यात्रा करने की परंपरा

सावन में कांवड़ यात्रा करने की परंपरा है। शिवभक्त यानी कांवड़िए गंगा जैसी पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल चलकर अपने क्षेत्र के शिवलिंगों पर जलाभिषेक करते हैं। दुर्ग से बहने वाली दो प्रमुख नदियों खारून और शिवनाथ नदी से जल लेकर प्रतिवर्ष भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इस बार भी दुर्ग-भिलाई में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया कि सावन में शिव पूजा में बिल्वपत्र, भांग, धतूरा, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल चढ़ाना चाहिए। शिवलिंग पर जलधारा चढ़ाने के साथ 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करना चाहिए। शिवलिंग पर चंदन का लेप भी करना चाहिए। सोमवार की सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर शिवलिंग पर पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए। शिव चालीसा या रुद्राष्टक का पाठ करना चाहिए। मांस के भंक्षण से बचना चाहिए. व्रत रहना चाहिए।

1 हजार से ज्यादा प्रतिमाओं का हो रहा निर्माण

थनौद के मूर्तिकार राधे चक्रधारी और लव चक्रधारी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रतिमाओं की खासी डिमांड है। नागपुर, गोंदिया, ओडिशा, झारखंड, छिंदवाड़ा, दुर्ग, भिलाई, रायपुर सहित अन्य जगहों से डिमांड आई है। 16 से 18 फिट तक की प्रतिमाएं तैयार की जा रही है। एक हजार से ज्यादा गणेश प्रतिमाओं के आर्डर मिल चुके हैं। दुर्गा प्रतिमाओं को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी गई है। 16 फिट तक ऊंची प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। बंगाली समाज के लोग भी प्रतिमाएं तैयार करने के लिए पहुंच रहे हैं। बारिश की वजह से थोड़ा काम प्रभावित हुआ है, बारिश थमते ही युद्ध स्तर पर प्रतिमाओं का काम पूरा किया जाएगा।

सिटी इवेंट

श्रीकृष्णा गौशाला समिति ने चेम्बर अध्यक्ष गटागट का किया सम्मान

दुर्ग। श्रीकृष्णा गौशाला, छातागढ़ में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृहद् वृक्षारोपण के साथ-साथ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दुर्ग जिला अध्यक्ष अनूप गटागट का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौशाला परिसर में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के साथ की गई। सैकड़ों फलदार व छायादार पौधे रोपे गए। इसके बाद सम्मान समारोह में चेंबर के जिला अध्यक्ष अनूप गटागट का पारंपरिक तरीके से शाल, श्रीफल, माला एवं तिलक लगाकर स्वागत और सम्मान किया गया। गटागट ने कहा कि साध्वी प्रीति सुधाजी महाराज के आशीर्वाद एवं सहयोग की वजह से सभी धर्मों के समाज के लोगों ने बढ़चढ़ कर गौठान को विस्तारित किया। 300 से अधिक गायों के लिए आश्रम स्थल का निर्माण संभव हो पाया है। उन्होंने गौशाला की प्रगति में समिति के सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान को सराहा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष कांतिलाल पारख, महामंत्री प्रकाश नाहटा और सचिव दीपक तुमाने ने गौशाला की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कातिलाल पारख की अध्यक्षता में गौशाला के नव निर्माण और बेहतर व्यवस्था को देखकर सभी अतिथिगण प्रसन्न हुए। इस अवसर पर प्रमुख सदस्यों में शिव चंद्राकर, डॉ. मानसी गुलाटी, आनंद अग्रवाल, जवाहर जैन, पार्षद मनोज सोनी, विनोद मून, हेमंत गोयल, छोटू अग्रवाल, अमर भोई, मुन्ना शुक्ला आदि मौजूद थे।

सिटी लाइव

कामधेनु विवि में राष्ट्रीय सम्मेलन के आधिकारिक विवरणिका का विमोचन

भिलाई। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरआरबी सिंह के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता डॉ. संजय शाक्य के नेतृत्व में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा में 6 और 7 अक्टूबर को स्ट्रेनदनिंग वन हेल्थ सिनर्जी कॉमबेटिंग एण्टीमाइक्रोबियल रेजस्टिंस थ्रु क्रॉस सेक्टोरियल इनोवेशन एण्ड इंटीग्रेशन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन विश्वविद्यालय और इंडियन वेटनरी एसोसियेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय सम्मेलन के विवरणिका का आधिकारिक विमोचन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जीके दत्ता, डॉ. एसपॉल, कुलसचिव डॉ. बीपी राठिया, बिलासपुर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. किशोर मुखर्जी, डॉ.दिलीप चौधरी, डॉ. निधि रावत, डॉ. सी सन्नाट सहित अन्य मौजूद थे। विवरणिका विमोचन के अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. निधि रावत ने बताया कि यह सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्यजीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एंटीमाइक्रोबियल रेजस्टिंस की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटना है। आयोजन सचिव डॉ. सन्नाट ने बताया कि इस सम्मेलन को सफल बनाने हेतु शैक्षणिकजनों, शोधकर्ताओं, पशुचिकित्सकों, चिकित्सा वैद्यो, क्षेत्रीय विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

समाज इवेंट

बौद्ध धम्म का वर्षावास आज से व पूजा वंदना के साथ होगी धम्मदेशना

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के तत्वावधान में बाबासाहेब डॉ आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 भिलाई में बौद्ध धम्म का वर्षावास प्रारंभ का आयोजन संस्था की अध्यक्ष सविता मेश्राम की अध्यक्षता में होगा। आयोजन 10 जुलाई गुरुवार को सुबह 9 बजे शुरू होगा। वर्षावास के कार्यक्रम में पूज्य भंतेजी द्वारा पूजा वंदना, धम्मदेशना का आयोजन होगा, जो आषाढ़ पूर्णिमा से अश्विन पूर्णिमा तक तीन माह का वर्षावास प्रारंभ पूज्य भंते के सानिध्य में होगा। वर्षावास में पूज्य भंतेजी द्वारा धम्मदेशना प्रतिदिन सुबह 6 और शाम 07 बजे होगी। रविवार को सुबह 10 बजे और शाम 7 बजे होगी। यह जानकारी संस्था के महासचिव रामराव ढोक ने दी। इस अवसर पर समाज के लोग आयोजन में शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक हुई, जिसमें संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई।

ओपन स्कूल: 35 हजार छात्र देंगे 10वीं व 12वीं की परीक्षा, 18 अगस्त को एग्जाम

भिलाई। ओपन स्कूल की दसवीं-बारहवीं द्वितीय परीक्षा के लिए विशेष विलंब शुल्क के साथ आवेदन की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इस बार करीब 35 हजार छात्रों ने आवेदन किया है। यह परीक्षा 18 अगस्त से शुरू होगी। वहीं दूसरी ओर मार्च-अप्रैल में पहली परीक्षा हुई थी, इसमें करीब 77 हजार परीक्षार्थी थे। तीसरी परीक्षा नवंबर में होगी। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया सितंबर में शुरू होगी। उधर, ओपन स्कूल की ओर से द्वितीय परीक्षा की तैयारी की जा रही है। कुछ दिन पहले इसका शेड्यूल जारी किया गया था। दसवीं की परीक्षा 18 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। जबकि बारहवीं की परीक्षा 18 अगस्त से 3 सितंबर तक होगी। गौरतलब है कि एक साल में ओपन स्कूल की परीक्षा तीन बार आयोजित की जाती है। पिछली बार से यह व्यवस्था लागू की गई है। पहली परीक्षा मार्च-अप्रैल में हुई थी। इसमें दसवीं में 59.17 प्रतिशत और बारहवीं में 69.73 प्रतिशत छात्र पास हुए थे।

● गायत्री ज्ञान मंदिर कसारीडीह में आयोजन, विधि-विधान से संस्कारण कराए गए संपन्न

पावन प्रज्ञा पुराण कथा में कहा गया है, असुरता का अंत करने देवताओं का संगठित होना आवश्यक

दुर्ग। भारत ही नही पुरे विश्व ब्रह्माण्ड में देवासुर संग्राम का क्रम पौराणिक काल से चला आ रहा है। व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक जीवन, सामाजिक जीवन में यह लड़ाई प्रचंड गति से चल रही है। इसी का नाम विश्व संकट है, यदि यह विश्व संकट हमें सचमुच ही अप्रिय लगता है तो फिर उस असुरता को परास्त करने के लिए हमें तत्पर खड़ा होना होगा। असुरता के अंत के लिए देवत्व को सचेत और संगठित होना पड़ेगा। मानवता के उपर आई हुई विश्वव्यापी आपात्तियों का एक मात्र कारण है। अज्ञानता, अहंकार और जनमानस में आध्यात्म से दूरी, प्राचीनकाल में घर-घर में धर्म और सत्य की प्रतिष्ठा रहती थी। तब हर घर में घन-वैभव, बल, पुरुषार्थ, विद्या-बुद्धि, स्नेह, सौहार्द्र, आनन्द उल्लास का वातावरण था। आज जब समाज में अधर्म मूलक विचारधारा और कार्य-प्रणाली बढ़ी है, तो हर जगह अभाव, दरिद्रर्ता, रोग-शोक, कलह-क्लेश, अज्ञान, अविवेक, इर्ष्या-द्वेष, अहंकार से विनिर्मित नारकीय जीवन का दृश्य दिखाई देने लगा है। उक्त बातें डॉ. सुरेंद्र कुमार दीन ने कही। गायत्री मंदिर में 6 जुलाई से प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया गया है।

आध्यात्म का उद्देश्य मनुष्य को पाप और कुविचार से दूर करना

डॉ. दीन ने कहा कि सफलता के लिए लोग शार्टकट रास्ता अपना रहे हैं। लोग चमत्कार के चक्कर में धर्म और अध्यात्म को दरकिनार कर औरों को कुचल आगे बढ़ते जा रहे हैं। आध्यात्म का उद्देश्य मनुष्य को पाप और कुविचारों की असुरता से छुड़ाकर सत्य और धर्म रूपी सुख-शांति की गोदी में पंहुचा देने का है। सब लोग श्रद्धा और शालीनयुक्त जीवन जीएं। इसके लिए पावन प्रज्ञा पुराण कथा कहती है कि चमत्कार को नहीं माता-पिता के चरणामृत को ग्रहण करें। गाय, गंगा, गुरु, गीता और गायत्री पारस पत्थर हैं। इसके पान से भाग्य से ज्यादा और समय से पहले सब कुछ मिल जाता है। इसके लिए श्रेष्ठ गुरु और श्रेष्ठ मंत्र चाहिए।

गायत्री साधना, उपासना व यज्ञ हर व्यक्ति की जरुरत

गायत्री मंत्र श्रेष्ठ गुरु और श्रेष्ठ मार्ग की ओर प्रेरित करती है। गायत्री उपसना मानवीय अंत:करण के शोधन और परिमार्जन की साधना है। आज वातावरण में छाई विषाक्ता के बचाव और उसके शमन-दमन हेतु गायत्री साधना, उपासना एवं यज्ञ हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। आज समाज में जितनी भी विसंगतियां दिखाई देती है, यदि उनकी जड़ तलाशी जाए तो मनुष्य में साधना का आभाव ही उसका प्रधान कारण है। विभिन्न प्रकार के संकट इतना विकराल हो गए हैं कि हर व्यक्ति को विवेकपूर्ण सोचने और मानवता को पतन तथा सर्वनाश से बचाने के लिए आगे आने की आवश्यकता है। बुद्धि तरह-तरह के कुचक्र रचती रहती है। धन और बल दूसरों को पीड़ा पहुंचाने और अहंकार जताने का माध्यम बन गया है।

पांच कुंडीय महायज्ञ में मंत्रोच्चार, आज होगी पूर्णाहुति

गायत्री ज्ञान मंदिर कसारीडीह में चल रहे पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक गायत्री यज्ञ एवं दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक पावन प्रज्ञापुराण कथा का आयोजन किया गया है। संस्थान में प्रज्ञा पुराण कथा एवं पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रज्ञा कथा के दौरान प्रतिदिन रोशन निषाद, महेन्द्र साहू, नितेश वैष्णव एवं जागेश्वर यादव की संगीतमय टोली द्वारा प्रस्तुति दी जा रही है। इस पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन को गति प्रदान करने में कार्यकर्त्ता रवि घोगरे, प्रेमलाल साहू, शिशुपाल चन्द्राकर, लुमन साहू, एवंत साहू, रोहित सिन्हा, लता चन्द्राकर, मातेश्वरी साहू, गिरधारी लाल साहू उपस्थित थे।

नगपुरा तीर्थ में धर्मसभा का आयोजन

चातुर्मास आराधना : मन जिसे स्वीकार करे वह सुख, जिसे अस्वीकार करे वह दुख

भिलाई। मन भौतिक पदार्थों में सुख होने की धारणा बनाता है। परिस्थिति के आधार पर मनःस्थिति बदलती है। मनःस्थिति के कारण ही सुख-दुख की अनुभूति होती है। मन स्वीकार करें वह सुख और जिसे अस्वीकार करे दें, वह दुख बन जाता है। यह मन की विडम्बना है कि भौतिक पदार्थों में सुख की अनुभूति का अहसास करता है। यह शत-प्रतिशत भ्रमणा है। सच्चा सुख तो परमात्मा द्वारा बताये गए मार्ग को अपनाने से ही प्राप्त होगा। उक्त बातें उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मास आराधकों को संबोधित करते हुए साध्वी लक्ष्ययशा श्री ने कहीं। उन्होंने कहा कि सम्यक दर्शन-ज्ञान-चारित्राणि मोक्षमार्ग का अर्थ मोक्ष का मार्ग सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र का अनुपालन से ही तैयार होता है। अर्थात मोक्ष की प्राप्ति के लिए सम्यक रूप से श्रद्धा ज्ञान और चारित्र की आचरण तीनों ही जरूरी है। चातुर्मास का पर्व आत्मजागृति का पर्व है, आत्मा से परिचित होने, आत्मा को पहचानने के लिए इन दिनों हम जप तप त्याग तपस्या से जुड़ने का प्रयास करें। चातुर्मास आराधना विनाश से विकास, वासना से उपासना, पुण्य से शिखर की यात्रा है,चार गति का क्षय करने के लिए पुरुषार्थ करना, तृष्णा को छोड़कर रत्नत्रयी की आराधना करना, मर्यादा रखना, व्रत नियमों के अनुपालन में निमग्न रहना,सम्यकत्व की प्राप्ति का पुरुषार्थ करना,यह हमारे चातुर्मास आराधना का लक्ष्य होना चाहिए।

मन में पुरुषार्थ करने का विचार हो तो सामर्थ्य खुदब खुद आ जाता है : आज्ञायशा श्री

प्रवचन श्रृंखला में धर्मसभा को संबोधित करते साध्वी आज्ञायशा श्री ने कहा कि आत्मा ही परमात्मा है, प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की शक्ति है। सम्यक ज्ञान के अभाव में जीव भवोभव तक भटकते रहता है, जन्म -जरा -मृत्यु के निवारण में सम्यक ज्ञान ही आलंबन है। चातुर्मास में बारिश होती है, वरसात का जल पहाड़ और भूमि दोनों पर गिरती है,एक ओर पत्थर के कारण पहाड़ से जल बह जाती है। वहीं मिट्टी के कारण भूमि जल अवशोषित कर लेती है। चातुर्मास में प्रवचन की अमीवर्षा होगी मन मिट्टी बनाकर जिनवाणी को हृदय समाहित करना है। मन में पुरुषार्थ करने की भावना हो तो हममें आराधना करने के लिए सामर्थ्य पैदा होगी। 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर प्रवचन श्रृंखला सुबह होगी।

जिला शतरंज संघ ने किया सम्मान

शतरंज चैम्पियन में यशद बांबेश्वर बने विजेता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वाराजैन भवन भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर एवं महिला फिडे रेटेड चेस चैंपियनशिप में दुर्ग जिले के युवा खिलाड़ी भिलाई के यशद बांबेश्वर ने छत्तीसगढ़ के शतरंज चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। 2023=24 में भी यशद राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए थे। वर्तमान में यशद छत्तीसगढ़ के गौरव एस धनंजय, रेटिंग 2290 से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में शतरंज का चमकता खिलाड़ी यशद राज्य शतरंज चैंपियन बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। यशद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 9 में से 8 अंक प्राप्त किया। उन्होंने अपने कोच धनंजय जो कि 16 साल में राज्य सीनियर शतरंज चैंपियन बने थे, उनका रिकॉर्ड तोड़ा। यशद डीपीएस दुर्ग में क्लास 10 वीं में अध्ययनरत हैं। उनके पिता स्वरूप कुमार बांबेश्वर भिलाई स्टील प्लांट में कार्यरत हैं। यशद ने 2020 से अनरेटेड प्लेयर के रूप में खेलते हुए 2025 के स्टेट सीनियर चैंपियन बने। वर्तमान में यशद की रेटिंग 2057 है। वे केंडिडेट मास्टर बनने की ओर अग्रसर हैं। बधाई देने वालों में दिनेश जैन, ललित वर्मा, दिनेश नलोडे, मोरध्वज चंद्राकर, एसके भगत, अजय राय, रॉकी देवांगन, संजय खंडेलवाल, हरीश सोनी, अनिल शर्मा, गुलाब चौहान, कैलाश जैन बरमेचा, चंद्रिका दत्त चंद्राकर, रमन सिंह, अजय साहू सहित अन्य शामिल हैं।

राज्य के सबसे युवा चैम्पियन यशद केंडिडेट मास्टर बनने की ओर अग्रसर

नशे के खिलाफ पुलिस विभाग का ऑपरेशन विश्वास, मरोदा स्कूल कार्यशाला

साइबर डिजिटल अरेस्टिंग को लेकर स्टूडेंट्स को किया जागरूक, अभिव्यक्ति एप के बारे में दी जानकारी

कार्नर न्यूज

भिलाई। नशे के खिलाफ पुलिस विभाग का ऑपरेश्व विश्वास जारी है। इसे लेकर मरोदा सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। साइबर डिजिटल अरेस्टिंग और अभिव्यक्ति एप के बारे में जानकारी दी गई। सहायक उपनिरीक्षक संगीता मिश्रा ने शाला परिसर में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं को सोशल मीडिया के बारे में बताया गया। महिला संबंधी अपराध, पाक्सो एक्ट, नशे के उपयोग से होने वाली समस्या के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की गई। नशे से मुक्त होने के विभिन्न प्रकार के साधनों की जानकारी दी गई। यातायात संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से उपयोग करने बताया गया।

टीचर्स और स्टूडेंट्स के पालकों को कराया अभिव्यक्ति एप

इस दौरान स्टूडेंट्स को जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया गया। उपस्थित छात्र-छात्राओं को अभिव्यक्ति एवं स्कूल स्टॉफ को अभिव्यक्ति एप स संबंधित जानकारी दी गई। शिक्षक-शिक्षिकाओं और पालकों को अभिव्यक्ति एप डाउनलोड कराया गया। नवीन उच्चतर माध्यमिक शाला टंकी मरोदा में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगभग 250 छात्र छात्राओं, स्कूल प्रिंसिपल एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे एवं महिला रक्षा टीम के सदस्य भी उपस्थित थे।

आपात स्थिति में निपटने के लिए टोल फ्री नंबर का करें उपयोग

छात्र-छात्राओं को आवश्यक इमरजेंसी नंबर 112, 9479192099 की जानकारी दी गई। बताया गया कि निजी जानकारी अंजान व्यक्तियों से शेयर न करें। सोशल मीडिया के सेफ्टी फीचर के साथ उपयोग एवं 1930 इमरजेंसी नम्बर के बारे में बताया गया। अपने मोबाइल पर महत्वपूर्ण नम्बर को सुरक्षित रखने साथ ही साथ अपने पास रखें अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर ना करें। इमरजेंसी नंबरों की जानकारी दी गई उपस्थित छात्र छात्राओं को जीवन में आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या को अपने माता-पिता एवं अपने गुरुजनों से शेयर करे।

आत्मरक्षा के उपायों को जानें, पालकों से शेयर करें जानकारी

इस दौरान बच्चों को बताया कि छात्राओं को आत्मरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए वे ट्रेनिंग भी लें। ताकि जरुरत के समय अपनी सुरक्षा खुद कर सकें। एक्सपर्ट्स ने बताया कि स्कूल या घर से बाहर कोई भी व्यक्ति आप से गलत हरकत करता है, गलत बात करता है, तो इसकी जानकारी अपने पालकों और शिक्षकों को दें। ताकि समय रहते ऐसी परेशानियों को रोका जा सके। यदि आप घर में जानकारी नहीं देंगे तो हो सकता है आने वाले समय में यह परेशानी और बड़ी होकर सामने आए। इसलिए इसे लेकर पहले ही अवेयर रहें।

सिटी स्पोर्ट्स

रायपुर जिला क्रिकेट संघ के ट्रायल कल से, स्लॉट बांटे

रायपुर। रायपुर जिला क्रिकेट संघ ने वर्ष 2026-27 हेतु सभी वर्गों के ट्रायल की तिथियां घोषित कर दी हैं। इसके पहले एक जुलाई से 07 जुलाई तक सभी वर्गो के खिलाडियों का पंजीयन किया जा चुका है। इसके बाद अब वर्गवार खिलाडियों का ट्रायल 11 से 18 जुलाई तक होगा। पंजीकृत खिलाड़ियों की सूची दिनांक एवं समय सहित स्लॉटवार संबंधित क्रिकेट एकेडमी को भेज दी गयी है। खिलाडी अपने ट्रायल के समय एवं दिनांक की जानकारी संबंधित क्रिकेट एकेडमी या आर डी सी ए कार्यालय, तेलीबांधा से प्राप्त कर सकते हैं। ट्रायल, आर डी सी ए इंडोर स्टेडियम, तेलीबांधा रायपुर में संपन्न होगें। संभी खिलाडियों को सफेद पोषाक में अपने क्रिकेट किट सहित दिये गये समय एवं दिनांक को उपस्थित होना होगा। वर्गवार ट्रायल में 11 जुलाई को अंडर– 14 स्लॉट-1 से -3 तक , 12 जुलाई को अंडर–14 स्लॉट 4 से 6 तक , 14 जुलाई को अंडर - 16 स्लॉट 1 से 3 तक, 15 जुलाई को अंडर – 19 स्लॉट 1 से 3 तक, 16 जुलाई को अंडर – 19 स्लॉट 4 से 6 तक, 18 जुलाई को अंडर - 23 एवं सीनीयर वर्ग स्लॉट 1 से स्लॉट 3 तक को अवसर दिया जाएगा। स्लॉट 1 को सुबह 8.30 बजे से, स्लॉट 2 को सुबह 11.30 बजे से, स्लॉट 3 - को दोपहर 2.30 बजे से, स्लॉट 4 को सुबह 8.30 बजे से, स्लॉट 5 को सुबह 11.30 बजे से और स्लॉट 6 को दोपहर 2.30 बजे से समय दिया गया है।

प्रथम छत्तीसगढ़ खो-खो लीग की तैयारी, दोनों वर्ग में होंगे मुकाबले

रायपुर। छत्तीसगढ़ एमेच्योर खो खो एसोसिएशन और जिला संघ बलौदाबाजार भाटापारा के संयुक्त तत्वाधान में 28 से 31 जुलाई को इनडोर स्टेडियम कसडोल बलौदाबाजार में प्रथम छत्तीसगढ़ खो खो लीग सीनियर वर्ग महिला व पुरुष टीमों का आयोजन करने जा रहा है। इस खो खो लीग में छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित सर्वश्रेष्ठ महिला व पुरुष खिलाड़ियों का चार महिला और चार पुरुष टीम सलेक्शन कर इस लीग का आयोजन कर रहे हैं। अलग अलग टीम के लिए श्रेष्ठ कोच मैनेजर की नियुक्ति किया जा रहा है. 25, नेशनल और स्टेट निर्णायकों को शामिल किया जा रहा है। विजेता टीमों को नगद पुरस्कार ट्रॉफी मेडल, प्रमाण पत्र, एवं व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को भी पुरुस्कृत किया जाएगा। छत्तीसगढ़ एमेच्योर खोखो संघ के अध्यक्ष कमलजीत अरोरा बेमेतरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश सिंह दुर्ग, ललित वर्मा, रायपुर श्री सुब्रत शाह, कोंडागांव, भगत सोनी राजनांदगांव, दीपक सिदार रायगढ़, नरेश शुक्ला राजनांदगांव, धर्मेन्द्र मौर्य राजनांदगांव, गोविन्द मुदलियार रायपुर, श्री देवचरन पटेल बलौदाबाजार, श्री पैकरा सर जी कसडोल, नागेंद्र साहू, कसडोल, वीरेंद्र मासिया मोहला मानपुर चौकी, शंकर सुमन कोरबा, चमन साहू दुर्ग, भोलेनाथ बालोद आदि इसकी तैयारियों को पूरा करने में जोर शोर से चल रहा है। लीग को सफल बनाने के लिए सभी टेक्निकल ऑफिशियल्स निर्णायक कोच, मैनेजर का एक द्विवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 जुलाई को सुबह दस बजे से श्री अग्रसेन भवन पुराना बस स्टैंड राजनांदगांव में आयोजित किया गया है। जिसकी तैयारी, फिरोज रहमान भिलाई, सचिन डोगरे भिलाई, विक्रांत शुक्ला राजनांदगांव, समीर शुक्ला राजनांदगांव, भारत कोटलकर, नारद साहू और हरीश साहू आदि व्यवस्था में शामिल हैं। उक्त सम्पूर्ण जानकारी तरुण कुमार शुक्ला, महासचिव, छत्तीसगढ़ एमेच्योर खो खो संघ ने दी।

जूनियर नेशनल रग्बी में छत्तीसगढ़ से तीन को मौका

रायपुर। उत्तराखंड के देहरादून स्थित एथलेटिक्स स्टेडियम में 8 से 13 जुलाई तक आयोजित हो रहा है। जूनियर नेशनल रग्बी चैंपियनशिप के लिए पाली रग्बी क्लब कोरबा से 3 बालक का छत्तीसगढ़ टीम में चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में शनि श्रीवाश, चंद्रकांत राजवाड़े और सूर्यकांत शामिल है।तीनो ही खिलाड़ी स्थानीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर कोरबा और छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करने के लिए तैयार हैं। जिला रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल मोटवानी, उपाध्यक्ष सुनील साहू, कोरबा टीम के कोच ओमप्रकाश यादव ने दोनों खिलाड़ियों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

किडनी फेलियर की तरफ इशारा हो सकते हैं ये लक्षण

किडनी में हो रही परेशानी तो दिख जाते हैं इसके लक्षण, तुरंत संभल जाएं और शुरू करें उपचार

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और बढ़ते स्ट्रेस ने हमारे शरीर के कई अंगों पर असर डाला, इसका सबसे ज्यादा नुकसान झेल रही हैं किडनियां। हाल के वर्षो में जिन गंभीर बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है, किडनी की समस्याएं उनमें से एक हैं। अब ये सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी नहीं रही है बल्कि कम उम्र के लोग भी किडनी की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और बढ़ते स्ट्रेस ने हमारे शरीर के कई अंगों पर असर डाला, इसका सबसे ज्यादा नुकसान झेल रही हैं किडनियां। 20 से कम उम्र के लोगों में भी ये समस्या बढ़ती देखी गई है। कहीं आप भी तो इसका शिकार नहीं हैं?

किडनी से संबंधित समस्याओं का बढ़ता खतरा

किडनी यानी गुर्दे, हमारे शरीर के नेचुरल फिल्टर होते हैं। ये खून साफ करते हैं और शरीर से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी निकालते हैं। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखने में भी किडनी का स्वस्थ रहना जरूरी माना जाता है। यानी अगर किडनी में किसी तरह की समस्या हो जाए तो इसका असर संपूर्ण स्वास्थ्य पर हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) के अनुसार, भारत में किडनी फेलियर के दो सबसे बड़े कारण हाई ब्लड प्रेशर और हाई शुगर के बढ़ते मरीज हैं। डायबिटीज से किडनी की नसें डैमेज हो जाती हैं और ब्लड प्रेशर से किडनी के फिल्टर पर दबाव बढ़ता है।

क्यों बढ़ रही हैं किडनी की दिक्कतें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे दिनचर्या की कई गड़बड़ आदतें किडनी की समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

अगर आप अक्सर ओवर-द-काउंटर दवाओं, पेनकिलर का सेवन करते हैं तो इससे किडनी की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। कम पानी पीने, ज्यादा नमक और प्रोसेस्ड फूड के सेवन के कारण भी किडनी की दिक्कतें बढ़ जाती हैं।

कहीं आपकी किडनी तो नहीं हो रही है खराब

किडनी की सेहत को लेकर ध्यान देते रहना जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, किडनी खराब होने के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानना भी जरूरी है, अगर समय पर इसकी पहचान कर इलाज करा लिया जाए तो गंभीर समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। बार-बार या बहुत कम पेशाब आना,चेहरे, पैरों या टखनों में अक्सर सूजन रहना,हर समय थकावट महसूस होना,रात को बार-बार उठकर पेशाब जाना,पेशाब में झाग या खून आना, मतली, उल्टी या भूख न लगना और त्वचा पर खुजली या मांसपेशियों में ऐंठन होना शामिल है।

आप किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, किडनी की बीमारी 'साइलेंट किलर' की तरह होती है, जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि हम इसके कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों को जानें और वक्त रहते एक्शन लें। आप कम उम्र से ही कुछ बातों का ध्यान रखकर किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए दिन में 2-3 लीटर पानी जरूर पिएं।

एब्स रोलर का इस्तेमाल करते इन बातों का रखें खास ख्याल

एब्स रोलर का इस्तेमाल पेट की मसल्स को मजबूत और टोन करने के लिए किया जाता है। हालांकि, जब आप इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। अपने वर्कआउट के दौरान हम सभी कई तरह के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल करते हैं। ये इक्विपमेंट या प्रॉप्स हमारे वर्कआउट को और भी अधिक बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन्हीं में से एक है एब्स रोलर। अमूमन इन्हें एक्सरसाइज व्हील्स भी कहा जाता है। जब भी आप कोर वर्कआउट करते हैं तो उसमें एब्स रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। ये होम व जिम वर्कआउट दोनों के लिए बेहतर ऑप्शन हैं। एब्स रोलर सिर्फ पेट या कोर की मसल्स को ही मजबूत या टोन नहीं करते हैं, बल्कि इनकी मदद से आपकी पीठ व बाजुओं पर भी अच्छा असर पड़ता है। इतना ही नहीं, ये आपकी बॉडी की ओवर ऑल स्ट्रेंथ को इंप्रूव करते हैं और बॉडी बैलेंसिंग व स्टेबिलिटी को भी बेहतर बनाते हैं। एब्स रोलर से वर्कआउट करना यकीनन एक अच्छा विचार है। लेकिन एक बिगनर के रूप में आपके लिए सही तरह से एब्स रोलर का इस्तेमाल करना थोड़ा कठिन हो सकता है। यह भी संभव है कि इसका इस्तेमाल करते समय आप खुद को चोटिल कर लें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको एब्स रोलर का इस्तेमाल करते समय अवश्य ध्यान रखना चाहिए-

एब्स रोलर क्या होते हैं?

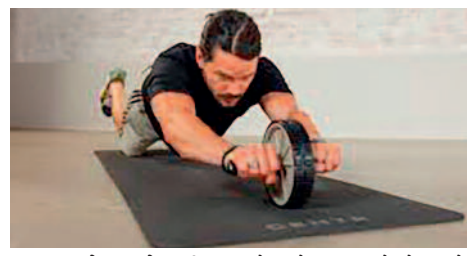

एब्स रोलर को सही तरह से इस्तेमाल करने से पहले आपको इनके बारे में जान लेना चाहिए। एब्स रोलर का इस्तेमाल आमतौर पर कोर वर्कआउट के दौरान किया जाता है। इस पर एक छोटा पहिया और दो हैंडल बने होते हैं। इन हैंडल को पकड़कर ही व्यक्ति खुद को आगे-पीछे करता है। इस दौरान पेट की मसल्स पर जोर पड़ता है। साथ ही साथ, व्यक्ति को खुद को बैलेंस भी करना हेता है।

पहले करें वार्मअप

अगर आप कोर वर्कआउट के दौरान एब्स रोलर का इस्तेमाल करने का मन बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप इससे पहले अच्छी तरह वार्म अप करें। साथ ही साथ, अपनी कोर की मसल्स को स्ट्रेच करें। इससे आपकी बॉडी वर्कआउट के लिए तैयार होती है। साथ ही साथ, आपको चोट लगने की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है।

एक्सपर्ट की लें मदद

एब्स रोलर का इस्तेमाल करना देखने में काफी आसान लगता है। लेकिन एक बिगनर के लिए खुद को इस दौरान बैलेंस करने में काफी परेशानी होती है। कभी-कभी एब्स रोलर से वर्कआउट करते हुए चोट भी लग जाती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप किसी फिटनेस एक्सपर्ट की देख-रेख में ही यह वर्कआउट करें। उनकी मदद से सही बॉडी फॉर्म, पोश्चर व टेक्निक का इस्तेमाल करने से आपको यकीनन काफी लाभ मिलेगा।

धीरे-धीरे करें एक्सरसाइज

कई बार यह देखने में आता है कि जब एब्स रोलर का इस्तेमाल करते हैं तो एकदम से बहुत तेजी से आगे बढ़ जाते हैं और इस दौरान अपनी पीठ को अधिक झुका लेते हैं।

फ्रिज में रखी हरी मिर्च जल्दी हो जाती है लाल तो करें ये उपाय

हरी मिर्च का तीखा स्वाद हर डिश में एक नई जान डालने का काम करता है। इसलिए महिलाएं खाने को चटपटा और तीखा बनाने के लिए बाजार से सब्जी खरीदने के दौरान ढेर सारी हरी मिर्च खरीदकर इन्हें फ्रिज में स्टोर कर देती हैं। लेकिन, हरी मिर्च को फ्रिज में रखने के दौरान ये कुछ समय बाद लाल हो जाती हैं, साथ ही, ये अपनी ताजगी भी खो देती हैं। इस वजह से जहां आपको कई बार ये मिर्ची फेंकनी पड़ती है, तो वहीं आपका काफी नुकसान भी होता है।

हरी मिर्च के लाल होने के कई सारे कारण हैं, और इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ट्रिक्स बता रहे हैं जिनकी मदद से आप हरी मिर्च को लंबे समय तक हरा-भरा और ताजा बनाए रखने के लिए फॉलो कर सकती हैं।

पेपर टॉवल का करें इस्तेमाल

हरी मिर्च को नमी और हवा दोनों से बचाना जरूरी है, ताकि ये लाल न हों। इसके लिए आप इन्हें एयरटाइट कंटेनर में पेपर टॉवल पर रखकर स्टोर करें। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी को सोखता है, साथ ही, बाहरी हवा और फ्रिज की ठंड से बचाता है। एयरटाइट कंटेनर में आप एक पेपर टॉवल रखें और इसके बाद इसमें बिनाडंठल वालीमिर्च रखें और ऊपर से भी एक पेपर टॉवल रखें और इसके बाद कंटेनर को कसकर बंद करके फ्रिज में रख लें।

जिप-लॉक बैग का करें इस्तेमाल

मिर्च को हरा और फ्रेश रखने के लिए आपजिप-लॉक बैग का भी इस्तेमाल कर

सकती हैं। जिप-लॉक बैग में आप थोड़ा सा पेपर टॉवल डाल दें और इसके बाद इसमें मिर्च रखकर इस बैग को अच्छी तरह से बंद कर लें और इस बैग की हवा निकालकर इसे फ्रिज में स्टोर कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

अगर आपकी हरी मिर्चों के साथ कुछ पीली या लाल मिर्च भी हैं तो इन्हें अलग कर लें, ताकि वे बाकी मिर्चों को खराब न करें।मिर्च हरी और ताजी रहे, इसके लिए फ्रिज का सही तापमान होना भी जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि कम तापमान की वजह से मिर्च खराब हो सकती हैं और ज्यादा तापमान होने से मिर्च जमने की वजह से खराब हो सकती है। इन आसान ट्रिक्स की मदद से आप हरी मिर्चों को लंबे समय तक ताज़ा और हरा बनाए रख सकती हैं।

सावन में कुछ भी दान करने से पहले जान लें इसका प्रभाव

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दौरान पूजा-पाठ के साथ दान का भी विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि सावन में दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और महादेव प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सावन के महीने में कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जिनका दान भूलकर भी नहीं करना चाहिए? अगर आप ऐसा करते हैं तो यह आपके लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है और घर में दरिद्रता आ सकती है। अब ऐसे में इस दौरान किन चीजों का दान करने से बचना चाहिए। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी इस बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

सावन माह में न करें लोहे का सामान दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के महीने में लोहे का दान करने से शनि के अशुभ प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। उनका नकारात्मक प्रभाव बढ़ सकता हैं। ऐसा माना जाता है कि लोहा दान करने से घर में दरिद्रता आ सकती है और आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। इस माह में अगर लोहे का दान किया जाए तो व्यक्ति के जीवन में समस्याएं बढ़ सकती है और अशुभता आ सकती है। इसलिए आप सावन माह में लोहे का सामान दान न करें।

सावन माह में न करें धारदार वस्तुओं का दान

सावन का महीना प्रेम, सौहार्द और सकारात्मकता का प्रतीक है। इस दौरान किए गए दान का सीधा प्रभाव हमारे जीवन और रिश्तों पर पड़ता है। धारदार चीजों का दान करने से शिवजी अप्रसन्न हो सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ सकती हैं।

कार्नर न्यूज

रात का खाना तय करता है आपकी सेहत का मिजाज

रात में देर से डिनर करना सेहत के लिए होता है हानिकारक, वक्त रहते जाग जाएं

अक्सर कुछ लोगों को लेट नाइट खाने की आदत होती है। रात में देर से खाने से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बहुत से लोग इस गलती को बहुत हल्के में लेते हैं। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आधुनिक जीवनशैली में देर रात तक काम करना और देर से डिनर करना आम हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रात में देर से खाना खाने की आदत आपकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है? यह आदत मोटापा, डायबिटीज, और हृदय रोग जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है। हमारे शरीर की जैविक घड़ी (सर्केडियन रिदम) रात में मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देती है, जिसके कारण देर से खाया गया भोजन ठीक से पच नहीं पाता। इससे पाचन तंत्र से लेकर मानसिक स्वास्थ्य तक प्रभावित होता है। आइए जानते हैं कि देर रात डिनर सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है और क्यों? साथ ही ये भी जानेंगे कि रात का खाना खाने का सही समय क्या है?

देर से डिनर के स्वास्थ्य पर प्रभाव

रात में देर से डिनर करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, क्योंकि शरीर रात को आराम करता है। देर से खाया गया भोजन कैलोरी के रूप में जमा होने लगता है, जिससे मोटापा बढ़ता है। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी प्रभावित करता है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा, देर रात भारी भोजन करने से पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स, गैस, और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह नींद की गुणवत्ता को भी खराब करता है, जिससे थकान और तनाव बढ़ता है।

हृदय स्वास्थ्य पर असर

देर रात डिनर करने से हृदय स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। रात में भारी या तला-भुना खाना खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है, जो हृदय रोग का कारण बनता है। नींद की कमी और तनाव के कारण कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो रक्तचाप और हृदय की समस्याओं को बढ़ावा देता है। इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, देर रात खाने से नींद में खलल पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन, चिंता, और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

डिनर का सही समय

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, डिनर को सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले, यानी रात 7 से 8 बजे के बीच करना चाहिए। इससे भोजन को पचने का पर्याप्त समय मिलता है। डिनर में हल्का और संतुलित आहार लें, जैसे सूप, सब्जियां, दाल, और साबुत अनाज।

सावधानियां

तला-भुना, मसालेदार या ज्यादा मीठा भोजन रात में खाने से बचें। खाने के बाद 10-15 मिनट थोड़ी देर जरूर टहलें, जिससे आपका पाचन और बेहतर बन जाता है। रात में कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूर लें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' की कट रही चांदी, दर्शकों के बीच अच्छा क्रेज

हालिया रिलीज हॉलीवुड फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' भारतीय दर्शकों को पसंद आई है। जुरासिक पार्क सीरीज की फ्रैंचाइज फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' का क्रेज भारतीय दर्शकों के बीच भी देखा जा रहा है। पिछले पांच दिनों में इस फिल्म ने हालिया रिलीज बॉलीवुड फिल्मों से अच्छा कलेक्शन किया है। अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' ने 5वें दिन 2.77 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म का कुल कलेक्शन भी 45.87 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म ने पहले दिन भी लगभग 9.25 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था। वीकएंड पर तो इस फिल्म ने जबरदस्त कमाई की। शनिवार को 13.5 करोड़ रुपये और रविवार को 16.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। हॉलीवुड फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' ने 2.77 करोड रुपये कमाए तो वहीं 'मेट्रो इन दिनों' ने 1.92 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसका मतलब है कि दर्शकों को हॉलीवुड फिल्म ज्यादा पसंद आ रही है। फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' की ऑडियंस की बात करें तो इस देखने बच्चे और बड़े दोनों आ रहे हैं। साथ ही 'जुरासिक पार्क' सीरीज की फिल्मों का अपना एक अलग ऑडियंस पहले से है। डायनासोर की दुनिया देखने का क्रेज फैंस के बीच हमेशा बना रहता है। फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' में स्कारलेट जोहानसन, माहेरशाला अली और जोनाथन बेली जैसे बड़े हॉलीवुड एक्टर्स हैं। फिल्म का कुल बजट 180 मिलियन डॉलर यानी करीब 1537 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में कमाल के वीएफएक्स हैं, जो फिल्म को मजेदार बनाते हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर गैरेथ एडवर्ड्स हैं।

टॉलीवुड

पुरी - सेतुपति की फिल्म की शूटिंग शुरू तस्वीर के साथ की आधिकारिक घोषणा

विजय सेतुपति अपनी नई आगामी अनाम फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। इस फिल्म की शूटिंग शूरू की जानकारी के साथ फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास तस्वीर शेयर कर फैंस को खुष कर दिया है। मक्कल सेल्वन विजय सेतुपति ने जब निर्देशक पुरी जगन्नाथ के साथ एक प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी तो हर कोई हैरान रह गया, जो हाल ही में फ्लॉप फिल्मों की वजह से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में कलाकारों की घोषणा के साथ, तब्बू, संयुक्ता और विजय ने इस फिल्म को लेकर उम्मीदें आसमान छू ली हैं। पिछले महीने आयोजित पूजा समारोह के बाद, निर्माताओं ने अब हैदराबाद में विशेष रूप से बनाए गए सेट पर आधिकारिक तौर पर शूटिंग शुरू कर दी है। विजय सेतुपति और संयुक्ता के दृश्यों को एक व्यस्त शेड्यूल में शूट किया जा रहा है, जो कुछ हफ्तो तक जारी रहने की उम्मीद है। चार्मी कौर और पुरी जगन्नाथ के साथ मिलकर जेबी मोशन पिक्चर्स के जेबी नारायण राव कोंड्रोला सह-निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं, जिससे इस परियोजना का दायरा और भी बढ़ गया है और यह एक अखिल भारतीय उद्यम बन गया है। आज से शूटिंग चालू होने के साथ, प्रशंसक आने वाले दिनों में नियमित अपडेट और रोमांचक खुलासे की उम्मीद कर सकते हैं।

भोजपुरी

मंजुल के निर्देशन में 'परिणय सूत्र' की प्रतापगढ़ में चल रही जोर-शोर से शूटिंग

भोजपुरी निर्देशक मंजुल ठाकुर की 'परिणय सूत्र' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ के पास पास जोर शोर से चल रही है। निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर तथा लेखक अरविंद तिवारी की आद्या फिल्म्स एन्टरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म के एसोसिएट डायरेक्टर पार्थ मिश्रा है। निर्देशक मंजुल ठाकुर ने बताया कि सन 1970 के दशक की फिल्म बन रही है। उस समय के रहन सहन, खान पान व अन्य सभी प्रकार की छोटी से छोटी चीजों को शूट के समय बहुत ही बारीकी से व सोच समझकर ध्यान देना पड़ रहा है। यह एक शुद्ध पारिवारिक फिल्म है। इस फिल्म को दर्शकों को देखने में एक अलग ही आनंद आयेगा इसके साथ ही आज के दौर के लोगों को उस समय के कल्चर व परिवेश व संस्कृति को जानने का अवसर प्रदान होगा। फिल्म के निर्माता संदीप सिंह ने कहा कि इस फिल्म से आज के दौर के लोगों को उस समय के कल्चर, व परिवेश की जानकारी मिलेगी। फिल्म की नायिका रानी चटर्जी व तनुश्री, नायक राकेश बाबू, प्रशांत सिंह के साथ ललित उपाध्याय, श्रीमती विद्या सिंह, अशोक गुप्ता, नीलम सिंह,रामनरेश श्रीवास्तव, शमशीर सिवानी, धीरेन्द्र धर्मा,श्रीमती रीमा,श्रीमती रिंकू आयुषी, श्रीमती अंजु रस्तोगी, श्रीमती बबिता, रंजीत सिंह और आदर्श ने मुख्य भूमिकाएं निभाई है। बाल कलाकार के रूप मे ढोलू यादव, दीक्षा एवं गोकुल, आरजू ने बेहतरीन अभिनय कर अमिट छाप छोडी है। फिल्म के कैमरामैन इमरान शगुन, एसोसिएट डायरेक्टर पार्थ मिश्रा, सहायक निर्देशक अमृतराज, सूरज वर्मा, पियुष उपाध्याय एवं प्रोडकशन मैनेजर रौशन एवं सहायक प्रोडकशन मैनेजर सोनू एवं आर्ट डायरेक्टर नाजिर है।

डच डिज़ाइनर आइरिज वैन हर्पेन अपने भविष्यवादी और प्रयोगात्मक डिज़ाइनों के लिए जानी जाती है। उनके डिजाइन पारंपरिक सिलाई के तरीकों को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़ते हैं। उनके कुछ डिज़ाइनों में गॉथिक और डार्क प्रभाव हैं। यहां पर्यावरण की फिक्र करती उनकी नई डिजाइन कीट-पतंगों पर आधारित है, जिसे मॉडल ने न्यूयार्क फैशन वीक में पेश किया।

बालों में भिंडी लगाने के हैं कई फायदे,जरूर इस्तेमाल करें

लंबे-घने और मजबूत बालों की चाहत तो हर किसी को होती है, लेकिन प्रदूषण और खराब खान-पान की वजह से ऐसा होना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए महंगे-महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं, और हेयर ट्रीटमेंट लेते हैं।
यदि आप भी उन लोगों में से जो लंबे बाल तो पाना चाहते हैं, लेकिन पैसा ज्यादा खर्च नहीं करना तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। यहां हम आपको न सिर्फ बालों में भिंडी लगाने का तरीका बताएंगे, बल्कि इसके फायदे भी गिनाएंगे, ताकि आप बिना पैसे खर्च किए भी अपने बालों को खूबसूरत बना सकें।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले भिंडी को बालों पर इस्तेमाल करने का सबसे आसान तरीका जान लें। इसके लिए आपको सबसे पहले भिंडी के टुकड़ों को पानी में उबालना है। इसके बाद इस पानी को ठंडा कर लें और बालों को धोने के बाद इस पानी से बालों पर अप्लाई करें। इसके बाद सिर्फ पानी से बालों को धो लें औऱ इसका असर देखें। यहां हम आपको इसके फायदे भी बताने जा रहे हैं।

बालों में होगी ग्रोथ

यदि आप भिंडी को बालों पर इस्तेमाल करेंगे तो इससे बालों की लंबाई में इजाफा होगा। दरअसल, बालों में विटामिन ए, सी, और के होता है, जो बालों को जड़ से मजबूत बनाता है। इसकी वजह से ही नये बाल भी निकलते हैं, इसलिए भिंडी का इस्तेमाल बालों में करते रहें।

रूखापन होगा कम

अगर आपके बाल काफी ज्यादा ऑयली हैं तो भी अपने बालों में भिंडी का इस्तेमाल करें। इसमें पाए जाने वाले मॉइश्चराइजिंग गुणों की वजह से बाल धीरे-धीरे मुलायम होने लगते हैं। इससे उन लोगों को काफी लाभ मिलता है, जिनके बाल देखने में बेजान लगते हैं।

स्कैल्प के लिए फायदेमंद

भिंडी के नियमित इस्तेमाल से आपको स्कैल्प में काफी फायदा मिलने वाला है। दरअसल, इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण सिर की त्वचा को साफ करते हैं, जिससे खुजली, रूसी और कई अन्य दिक्कतों से राहत मिलती है।

बालों बनेंगे शाइनी

भिंडी के बालों में नियमित इस्तेमाल से बाल धीरे-धीरे शाइनी बनने लगेंगे। दरअसल, विटामिन Cके साथ-साथ एंटीऑक्सिडेंट्स तत्व भी होते हैं, जो बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाते हैं। ये बालों में नेचुरल शाइन डालता है, जिससे बाल अधिक सुंदर दिखते हैं।

मानसून के महीने में ट्राई करें इस तरह के कॉटन श्रग, दिखेंगी खूबसूरत

अगर आप भी इस साल मानसून में कुछ नया ट्राई करने का सोच रही है, तो आपको कुछ ऐसे कॉटन श्रग के डिजाइन के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें ट्राई कर आप अपनी खूबसूरती को और बढ़ा सकती हैं। बरसात का मौसम शुरू हो गया है और ऐसे मौसम में अधिकतर लड़कियां आरामदायक कपड़े पहनना पसंद करती हैं। अगर आप भी इस साल मानसून में कुछ नया ट्राई करने का सोच रही है, तो कॉटन श्रग जरूर अपनाएं।

क्वाटर स्लीव शिफॉन ओपन फ्रंट श्रग

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और भीड़ से हटकर दिखने के लिए आप इस मानसून के सीजन में इस तरह के खूबसूरत क्वाटर स्लीव शिफॉन ओपन फ्रंट श्रग को पहनकर अपने लुक को स्टाइलिश और एलिगेंट टच दे सकती हैं। इस तरह का श्रग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगा। इन्हें आप स्लीवलेस टॉप के साथ शामिल कर अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं।

व्हाइट एंड पिंक प्रिंटेड लॉन्गलाइन टाई-अप श्रग

अगर आप मानसून से मौसम में अपने लुक से सभी का दिल जीतना चाहती हैं, तो अब एक जैसे आउटफिट पहनने के बजाय आप इस तरह के खूबसूरत व्हाइट एंड पिंक प्रिंटेड लॉन्गलाइन टाई-अप श्रग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे श्रग न सिर्फ आपको स्टाइलिश लुक देंगे, बल्कि इसे पहनकर आप कम्फर्टेबल रहेंगी। इस तरह के श्रग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकते हैं।

मल्टी कलर स्ट्रिप लॉन्ग कॉटन श्रग

अगर आप भीड़ से हटके लुक क्रिएट करना चाहती हैं और इस बरसात के मौसम में कहीं घूमने का प्लान कर रही हैं, तो ट्रिप पर जाने से पहले आप इस तरह के खूबसूरत मल्टीकलर स्ट्रिप लॉन्ग कॉटन श्रग को अपने सूटकेस में रख सकती हैं। ऐसे श्रग आपको मॉडर्न और क्लासी टच देने में बहुत मदद करेंगे। आप इन्हें भी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

बर्फ से कीजिए डार्क सर्कल को गायब

नींद की कमी, थकान, खराब खान-पान और हमेशा मोबाइल-लैपटॉप के इस्तेमाल का असर अब लोगों के शरीर पर दिखने लगा है। दरअसल, इन सभी की वजह से अब लोगों का न सिर्फ स्वास्थ्य खराब हो रहा है, बल्कि इसकी वजह से आंखों के नीचे काले घेरे भी आने लगे हैं, जिनकी वजह से चेहरा काफी अजीब दिखने लगता है।
अगर शुरुआती दिनों में इन डार्क सर्कल का इस्तेमाल न किया जाए तो ये दिन ब दिन और गहरे होते जाते हैं, जिस कारण चेहरा अजीब लगता है। कई लोगों को आपने ये कहते सुना होगा कि इन काले घेरों को आइस क्यूब खत्म कर सकता है। इस बात में कितनी सच्चाई है, हम आज इसी बारे में बात करेंगे। यहां हम आपको न सिर्फ ये सच्चाई बताएंगे, बल्कि इसके इस्तेमाल का तरीका भी समझाएंगे।

ये कितना है असरदार ?

सबसे पहले जानते हैं कि क्या बर्फ का असर काले घेरों पर होता है ? तो इसका जवाब है कि हां आइस थेरेपी से काले घेरे काफी हद तक कम हो सकते हैं। ये नहीं कहा जा सकता है कि इससे डार्क सर्कल एकदम खत्म हो जाएंगे, लेकिन हां इसका असर होता है।

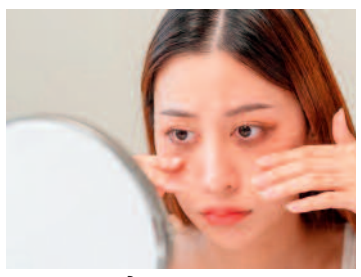

ये कितना है असरदार ?

ऐसा इसलिए क्योंकि काले घेरों पर आइस क्यूब लगाने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे स्किन टोन सुधरती है। इसके इस्तेमाल से आंखों की पफीनेस भी कम होती है, जिससे आंखें खूबसूरत दिखती हैं। अब जानते हैं कि आइस क्यूब को किन तरीकों से डार्क सर्कल पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

पहला तरीका

बात करें पहले तरीके की आप बर्फ के टुकड़े को सीधा आंखों के नीचे लगा सकते हैं इसके लिए एक साफ कॉटन कपड़े या मुलायम रुमाल में लपेट लें। अब इशे हल्के हाथों से आंखों के नीचे एक से 2 मिनट तक घुमाएं। आप ऐसा दिन में दो बार कर सकते हैं।

सावन शुरू होते ही पहनें ये डेली वियर पायल के नए डिजाइन

सावन का महीना शुरू होने वाला है और इस महीने में अधिकतर महिलाएं अपनी खूबसूरती से सभी का दिल जीतने के लिए कई प्रयास करती हैं। वे आउटफिट से लेकर एक्सेसरीज तक हर एक चीज मैच कर पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस साल सावन के महीने में अपने लुक को डिफरेंट और एलिगेंट बनाना चाहती है, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे पायल डिजाइन बताएंगे, जिन्हें आप सावन के महीने में पहनकर अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ा सकती है।

रोडियम प्लेटेड पायल

सावन के महीने में अगर आप डेली वियर में पहनने के लिए पायल डिजाइन तलाश रही है, तो आप इस खूबसूरत रोडियम प्लेटेड पायल को अपने पैरों में पहनकर अपने पैरों की खूबसूरत में चार चांद लगा सकती हैं। इस तरह के पायल को आप चांदी में सुनार के यहां बनवा सकती हैं या ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं। इसे आप ट्रेडिशनल से लेकर एथनिक आउटफिट तक किसी भी ऑउटफिट के साथ पहन सकती हैं।

सिल्वर प्लेटेड एंकलेट

सावन के महीने में अगर आप सोलह श्रृंगार करती हैं, तो अपने श्रृंगार में इस खूबसूरत सिल्वर प्लेटेड एंकलेट डिजाइन को भी शामिल कर सकती हैं। ऐसे पायल इन दिनों बेहद चर्चा में है, जो अधिकतर लड़कियों को बेहद पसंद होते हैं। ऐसे पायल आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने में भी मदद करेंगे। इस तरह के पायल को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती है।आप चाहे तो सावन के महीने में डेली वियर में पहनने के लिए इस खूबसूरत सिल्वर प्लेटेड स्टोन एंकलेट को भी ट्राई कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

हेल्दी स्किन के लिए मेंस फैशन में मौजूद है कई विकल्प

त्वचा से जुड़ी बहुत सी दिक्कतों को इग्नोर कर देते हैं ज्यादातर लड़के, इन उपायों पर भी दीजिए ध्यान

जिस तरह से लंबे जीवन के लिए अच्छा स्वास्थ्य होना जरूरी है, ठीक उसी तरह से खूबसूरत और ग्लोइंग त्वचा के लिए हेल्दी स्किन होना बेहद आवश्यक है। ऐसे में लोग ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए तमाम स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और तरह-तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। अपनी त्वचा का खास ध्यान लड़कियां तो खूब अच्छे से रख लेती हैं, लेकिन लड़के इस मामले में थोड़ा आलसी माने जाते हैं। इसी के चलते ज्यादातर लड़के न तो स्किन केयर करते हैं, बल्कि वो तो त्वचा संबंधी दिक्कतों को इग्नोर भी कर देते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी ही दिक्कतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें ज्यादातर लड़के पूरी तरह से इग्नोर कर देते हैं।

मुंहासे

गंदगी की वजह से अक्सर चेहरे पर मुंहासे निकल जाते हैं, जिनस सही समय पर इलाज करना बेहद जरूरी है। अगर इनका सही से इलाज न किया जाए तो ये फैलन जाते हैं और चेहरे पर दाग छोड़ जाते हैं। ऐसे में अगर आपके चेहरे पर एक भी मुंहासा दिख रहा है तो तत्काल प्रभाव से उसका इलाज करें, ताकि आकी दिक्कत ज्यादा न बढ़ जाए।

ड्राई स्किन

जब मौसम बदलता है तो स्किन में कुछ बदलाव अवश्य आता है। खासतौर पर ज्यादातर लोगों की स्किन बदलते मौसम में रूखी हो जाती है। जब त्वचा फटने लगती है तो इसपर खुजली होती है। नेचुरल ऑयल की कमी से स्किन जल्दी बूढ़ी दिखने लगती है। इसलिए मौसम बदलने की शुरुआत होते ही स्किन पर अच्छा मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना शुरू करें। इससे आपकी स्किन की नमी बरकरार रहेगी।

टैनिंग

लड़कियां तो बार-बार सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर लेती हैं, लेकिन लड़कों को इसमें बड़ा आलस आता है। दरअसल, धूप में निकलने से स्किन जल जाती है या काली पड़ जाती है। अगर इस दिक्कत से बचना चाहते हैं तो कम से कम 50 एसपीएफ की सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा का रूखापन आपको परेशान न करें।

डार्क सर्कल्स

अक्सर लोगों को लगता है कि डार्क सर्कल्स सिर्फ थकान की वजह से होते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। ये कई कारणों से होते हैं। ऐसे में शुरुआती दिनों में ही इसका ध्यान रखें। आजकल बाजार में तमाम तरह की अंडर आई क्रीम आती हैं जो त्वचा के लिए काफी लाभदायक रहती हैं।

डैंड्रफ

सिर की त्वचा पर जब रूखापन बढ़ जाता है तो डैंड्रफ की समस्या सामने आती है। ऐसे में या तो रूसी हटाने वाले शैंपू का इस्तेमाल करें। अगर ये नहीं है तो घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे कि दही रूसी हटाने में काग़ी कारगर माना जाता है।